दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

शिमरी साड़ी पहन अमायरा दस्तूर ने ...8

बलरामपुर

गुरूवार , 04 जून 2026

वर्ष: 05 अंक : 243 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

जनपद में बड़ा हादसा निर्माणाधीन गेट गिरने से एक मजदूर की मौत, छह घायल

हादसे को ले कर जाँच समिति का गठन, 03 दिन में देंगे रिपोर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र के मधवापुर में निर्माणाधीन मछली मंडी का गेट बुधवार को अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में एक मजदूर की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि छह अन्य श्रमिक घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। मामले को लेकर शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को पत्र भेजकर उच्चस्तरीय मजिस्ट्रेटी जांच, दोषियों के खिलाफ एफआईआर, मृतक के परिजनों को मुआवजा और घायलों के समुचित उपचार की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि लगभग 5.56 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन मछली मंडी के कार्य में अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और निम्न गुणवत्ता की शिकायतें वह समय–समय पर उठाते रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। उनका कहना है कि बिना किसी आंधी, तूफान अथवा प्राकृतिक आपदा के निर्माणाधीन गेट का गिर जाना कार्य में मानकों की अनदेखी और गुणवत्ताहीन सामग्री के प्रयोग की ओर संकेत करता है। उन्होंने कहा कि गत 19 मई को जिलाधिकारी स्वयं मछली मंडी निर्माण कार्य का निरीक्षण कर चुके थे। इसके बावजूद स्थानीय नागरिकों द्वारा लगातार दी जा रही शिकायतों को नजरअंदाज किया गया। क्षेत्र के लोगों का आरोप था कि निर्माण कार्य में मानकों की घोर अनदेखी की जा रही है तथा गुणवत्ताहीन सामग्री का प्रयोग हो रहा है। विधायक ने कहा कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया गया होता तो यह हादसा नहीं होता। विधायक ने दुर्घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के मौके पर देर से पहुंचने पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद करीब दो से ढाई घंटे तक जिला प्रशासन अथवा तहसील प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। समय पर राहत एवं बचाव कार्य नहीं होने के कारण एक मजदूर लंबे समय तक मलबे में दबा रहा, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने इसे जिला प्रशासन की लापरवाही, अकर्मण्यता और संवेदनहीनता का उदाहरण बताया। पत्र में विधायक ने कहा है कि सड़क निर्माण, स्टेडियम, कटानरोधी कार्यों और सिंचाई परियोजनाओं समेत विभिन्न विकास कार्यों में भी वह लगातार अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और गुणवत्ता संबंधी शिकायतें प्रशासन के संज्ञान में लाते रहे हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में शिथिलता और उदासीनता ही बरती गई। उन्होंने कहा कि जनता में इसको लेकर भारी आक्रोश है और यदि प्रशासन नहीं चेता तो भविष्य में भी ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है। विनय वर्मा ने जिलाधिकारी से मांग की है कि घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष मजिस्ट्रेटी जांच कराई जाए। निर्माण एजेंसी, ठेकेदार, इंजीनियरिंग स्टाफ तथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। मृतक मजदूर के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए तथा घायलों के सर्वोत्तम उपचार और पर्याप्त आर्थिक सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही समस्त निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय की जाए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन, सुशासन और गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन कुछ अधिकारियों की लापरवाही और गैर–जिम्मेदाराना रवैये से सरकार की मंशा को बार–बार ठेस पहुंच रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मछली मंडी निर्माण में लापरवाही बरतने वाले दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और पूर्व में उठाए गए अन्य मामलों की भी गंभीरता से जांच कराई जाए।

रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 की मौत

गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज, हिरासत में मालिक

दक्षिण दिल्ली के एक इलाके में स्थित पांच मंजिला इमारत में एक बेड–एंड–ब्रेकफास्ट में भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में से कई विदेशी नागरिक थे। कई घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये विदेशी नागरिक मुख्य रूप से मध्य एशियाई और अफ्रीकी देशों के थे। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। इस बीच, कम से कम 21 लोगों की मौत के घंटों बाद भी शोक संतप्त रिश्तेदार साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में जमा होकर अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी की तलाश कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) द्वारा बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया।

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित रेस्तरां में आग

खबर एजेंसी पीटीआई के अनुसार, मालवीय नगर के घनी आबादी वाले इलाके हौज रानी में स्थित फ्लोरिश स्टे बीएंडबी में आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा को सुबह आपातकालीन सूचना मिली और उन्होंने तुरंत कई अग्निशमन दल मौके पर भेजे। इस दल में दो पानी की गाड़ियां, दो पानी के टैंकर, एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन और अन्य आपातकालीन उपकरण शामिल थे। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि लेमन ग्रीन रेस्तरां के तहखाने से तीन लोगों को बचाया गया। आग पर काबू पाने के लिए सुबह करीब 8:50 बजे कई अग्निशमन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। बचाए गए लोगों को सीएटीएस एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

आग लगने की घटना में एफआईआर दर्ज: अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने होटल में लगी आग की घटना में गैर इरादतन हत्या के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस सूत्रों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि होटल में प्रवेश और निकास का केवल एक ही द्वार था। उन्होंने कहा कि अग्निशमन संबंधी एनओसी की जांच की जा रही है।

विकास भवन में डीएम का औचक निरीक्षण, बड़ी संख्या में अधिकारी–कर्मचारी मिले अनुपस्थित

दैनिक बुद्ध का संदेश

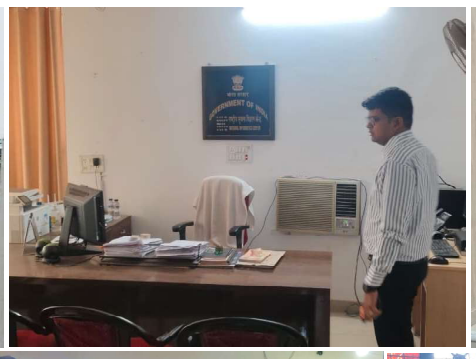

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने बुधवार को पूर्वाह्न 10:25 बजे विकास भवन स्थित विभिन्न विभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्य व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई विभागों में अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण में उपायुक्त श्रम रोजगार संतोष कुमार चौधरी तथा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा सहित विभिन्न विभागों के अनेक अधिकारी, वरिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक, वाहन चालक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित मिले। इसके अलावा जिला ग्रामोद्योग, डूडा, लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, पंचायत राज, कार्यक्रम अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभागों के कई कर्मचारी भी कार्यालय में उपस्थित नहीं पाए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालयों में समय से उपस्थिति और जनहित के कार्यों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अनुपस्थित पाए गए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का 03 जून 2026 का वेतन बाधित करने का आदेश दिया तथा निर्देशित किया कि सभी संबंधित कर्मचारी और अधिकारी दो कार्य दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। डीएम ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा भविष्य में भी इसी प्रकार औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। अनुपस्थित कर्मियों के स्पष्टीकरण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

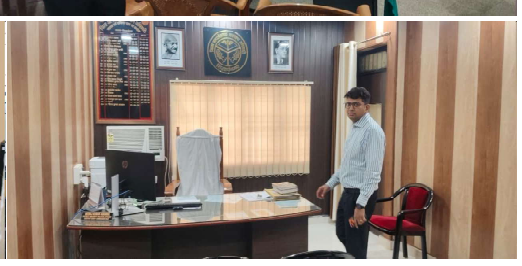

कार्यालय से गायब रहने वाले अधिकारी

जलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. के निरीक्षण में जिला ग्रामोद्योग, डूडा, लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, पंचायत राज, कार्यक्रम अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभागों के कई कर्मचारी भी कार्यालय में उपस्थित नहीं थे। जिलाधिकारी को जिला विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी डीआरडीए, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, परियोजना अधिकारी डूडा, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, सहायक निदेशक बचत, सहायक आयुक्त एवं जिला सहायक निबंधक सहकारिता, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य सहित कई विभागाध्यक्ष अधिकारी भी अनुपस्थित मिले।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण के तीसरे दिन स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सेवा भाव पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जगतजीत इंटर कॉलेज, इकौना में चल रहे स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन प्रशिक्षार्थियों को

स्वास्थ्य, स्वच्छता, अनुशासन एवं सेवा भावना का महत्व बताया गया। प्रशिक्षण प्रभारी कामाछा प्रसाद पाठक ने कहा कि स्काउट एवं गाइड युवाओं में उत्तम स्वास्थ्य, अनुशासन और चरित्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। यह उन्हें शारीरिक रूप से मजबूत और मानसिक रूप से सतर्क बनाता है तथा समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि स्काउट्स और गाइड्स को प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे चोट, दुर्घटना अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद लोगों की सहायता कर सकें। संकट के समय उनकी भूमिका जीवन रक्षक साबित हो सकती है। प्रशिक्षण प्रभारी ने कहा कि स्काउट–गाइड ष्स्वच्छता ही सेवाष के मंत्र का पालन करते हुए विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं अपने आसपास सफाई अभियान चलाकर समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में योगदान देते हैं। इसके साथ ही वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विशेष टीकाकरण कार्यक्रमों, पल्स पोलियो अभियान तथा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में भी सक्रिय सहभागिता निभाते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान नियमित व्यायाम, पीटी, योगासन एवं आउटडोर खेलों को शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति एवं नेतृत्व कौशल का विकास हो सके। बाढ़, भूकंप एवं महामारी जैसी आपदाओं के दौरान भी स्काउट–गाइड दल राहत एवं बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं तथा जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने में सहयोग करते हैं। इस अवसर पर हनुमान प्रसाद सहित स्काउट–गाइड के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।यह स्क्रिप्ट समाचार पत्र में प्रकाशन के लिए उपयुक्त शैली में तैयार की गई है।

हरे सागौन के पेड़ कटवाने का आरोप, अधिकारियों ने जांचोपरांत कार्यवाही का दिया आश्वासन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा वन प्रभाग अन्तर्गत कटरा वन रेंज में लगातार अवैध कटान की खबरें प्रकाशित हो रही है जबकि कार्यवाही जो चर्चा है कि कार्यवाही न होने का नतीजा है अवैध प्रतिबंधित वृक्षों की कटान। प्राप्त सूचना के अनुसार विकास खंड कटरा बाजार के थाना

कौड़िया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत परसिया रानी के मजरा फूलपुर में हरे सागौन के पेड़ों की कटान को लेकर आमजन में आक्रोश व्याप्त है।कई ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विभागीय मिलीभगत के चलते प्रतिबंधित हरे सागौन के पेड़ों को काट लिया गया, जबकि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को दिए जाने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों के अनुसार गांव में खड़े कीमती सागौन के पेड़ों की कटान खुलेआम की गई। आरोप है कि कटान के दौरान न तो वन विभाग की ओर से कोई रोक–टोक की गई और न ही स्थानीय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया।इससे पेड़ों की अवैध कटान को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि हरे पेड़ों की कटाई पर्यावरण संरक्षण नियमों के विरुद्ध है,फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी संदेह पैदा कर रही है।ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करता तो पेड़ों को बचाया जा सकता था।अब पेड़ों की कटान के बाद प्रशासनिक उदासीनता चर्चा का विषय बनी हुई है। क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले की जांच कराकर अवैध कटान में शामिल लोगों तथा यदि किसी अधिकारी–कर्मचारी की भूमिका सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।इस सम्बन्ध में दूरभाष पर वन क्षेत्र कटरा के अधिकारी इमरान खान से बात की गई तो बताया कि सूचना मिली है मौके पर वन कर्मचारी को भेजा गया है जांच करवाकर उचित कार्यवाही की जाएगी

बस और ई–रिक्शा भिड़ंत में एक की मौत एक घायल,बस को पुलिस ने लिया कब्जे

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में मंगलवार को देर शाम हुए एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई,जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।लोगो से प्राप्त सूचना के अनुसार घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के गोंडा–अयोध्या हाइवे पर ठाकुर द्वारा के पास हुई।एक रोडवेज बस ने ई–रिक्शा को टक्कर मार दी,जिससे वह पलट गया।मृतका की पहचान बनकटवा निवासी 30 वर्षीय इशरत जहां के रूप में हुई है।घायल व्यक्ति पेरी पोखर गांव का निवासी रईस पुत्र बकरीद है, जिसका गोंडा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।बताया जा रहा है कि अयोध्या की तरफ से गोन्डा आ रही आलम बाग डिपो की रोडवेज बस ने पीछे से ई–रिक्शा को टक्कर मारी थी।टक्कर के बाद ई–रिक्शा पलट गया और इशरत जहां व रईस सड़क पर गिर गए। घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलने पर सद्भावना चौकी प्रभारी विभु तिवारी मौके पर पहुंचे और घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। चिकित्सकों ने इशरत जहां को मृत घोषित कर दिया। इशरत जहां की शादी लखनऊ के बाईपास इमामबाड़ा निवासी मैनुद्दीन से हुई थी,वह मंगलवार को अपने मायके से भारतीय स्टेट बैंक आने के लिए ई–रिक्शा से जा रही थीं,तभी यह हादसा हो गया।हादसे के बाद अयोध्या मार्ग पर ठाकुर द्वारा से मुन्ना खा चौराहे तक करीब एक घंटे तक लंबा जाम लगा रहा, जिससे लोगों को परेशानी हुई।नगर कोतवाल ने बताया कि रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया गया है और मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

थाना दुधारा कड़जा में "साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम अमित कुमार के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर थाना प्रभारी जयप्रकाश चौबे एवं साइबर थाने की टीम द्वारा थाना दुधारा क्षेत्रान्तर्गत कड़जा में साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।। गोष्ठी के दौरान लोगों को अज्ञात कॉल, लिंक, ई–मेल, लॉटरी ऑफर, क्यूआर कोड स्कैन, फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, APK फाइल आदि के माध्यम से की जाने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने हेतु बताया गया

साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी अथवा ऑनलाइन अपराध की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें अथवा cybercrime-gov.पद पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। साइबर अपराधियों द्वारा अनेक प्रलोभन के माध्यम से लाभार्थियों को कॉन्फ्रेंस कॉल पर लेकर सरकारी लाभ दिलाने का झांसा देकर फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, APK फाइल द्वारा साइबर फ्रॉड किया जा रहा है। संभ्रात लोगों को साइबर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया उनसे अपील की गई कि वे अपने बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड अथवा किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा सोशल मीडिया पर प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। इस गोष्ठी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने हेतु प्रेरित करना रहा । इस दौरान प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना जय प्रकाश चौबे, उ0नि0 रमेश यादव, म0का0 अमृता सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

पयागपुर रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पयागपुर रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रेन संख्या 05131 गोरखपुर–बहराइच इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही कटकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने और घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है। हादसे के बाद स्टेशन परिसर में कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल रहा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल दें।

खुटेहना–हुजूरपुर मार्ग पर जानलेवा गड्ढा, बड़े हादसे की आशंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। खुटेहना–हुजूरपुर मार्ग पर सड़क के बीच तक

पहुंच चुका विशाल गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। खुटेहना से करीब सात किलोमीटर दूर मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे हुए कटाव ने विकराल रूप ले लिया है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे–बड़े वाहन गुजरते हैं, लेकिन गड्ढे की मरम्मत के लिए अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। बरसात का मौसम नजदीक होने से लगातार कटाव बढ़ने की आशंका है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों और राहगीरों ने लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करता नजर आ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने तथा आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह गड्ढा किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। "गड्ढा बढ़ता जा रहा है और जिम्मेदार विभाग अब भी मौन है," यह बात स्थानीय लोगों की चिंता और नाराजगी को साफ तौर पर दर्शाती है।

सिरसी का ग्रामीण मिनी स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए बनकर तैयार

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिला युवा कल्याण अधिकारी रामप्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत सिरसी ,विकास खंड हैसर बाजार, तहसील और

विधान सभा धनघटा में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा ग्रामीण मिनी स्टेडियम बनकर तैयार हो गया है । इस स्टेडियम को बनाने में लगभग 5 करोड़ रुपये खर्च किये गए । इसका निर्माण कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड ने किया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण मिनी स्टेडियम को गुणवत्तापूर्ण बनाया गया है और इस दृष्टि से मुख्य विकास अधिकारी और जिलाधिकारी द्वारा भी नियमित निरीक्षण किया गया है । इस स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार के स्पोर्ट्स के खेलने की व्यवस्था है । मल्टीपरपज हॉल में बैडमिंटन ,कुश्ती ,कबड्डी आदि गेम खेले जा सकते हैं , वहीं उसी बिल्डिंग के ऊपरी तल पर एक कमरा टेबल टेनिस के लिए भी बनाया गया है । बालक और बालिकाओं के लिए अलग – अलग टॉयलेट के साथ ही चेंजिंग रूम भी बनाए गए हैं ।स्टेडियम के बाउंड्री वॉल के अंदर फुटबॉल ,वॉलीबॉल ,क्रिकेट , रनिंग इवेंट एवं अन्य आउटडोर स्पोर्ट्स भी खेले जा सकते हैं ।तीन एकड़ में निर्मित ग्रामीण मिनी स्टेडियम सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और इसके आस–पास के सैकड़ों गांवों के युवाओं को इससे लाभ मिलेगा। स्टेडियम का संचालन युवा कल्याण विभाग द्वारा किया जाएगा। इस वित्तीय वर्ष में स्टेडियम में खेल प्रशिक्षक का भी चयन किया जाएगा। स्टेडियम की 24 घंटे सुरक्षा के लिए 6 पी आर डी जवान भी तैनात किए गए हैं। जनपद के ग्राम पंचायत चन्दनी, विकास खंड बघौली ,विधान सभा मेहदावल में एक अन्य ग्रामीण स्टेडियम निर्मित किया जा रहा है जो अगले वर्ष तक बनकर तैयार हो जाएगा।

परिवहन विभाग द्वारा दुर्घटना संभावित क्षेत्रें का किया निरीक्षण, सुरक्षा उपायों को लेकर किया गया स्थलीय मूल्यांकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में सड़क सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने तथा दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से एआरटीओ (प्रशासन/प्रवर्तन) आर.सी. भारतीय के नेतृत्व में

परिवहन विभाग की टीम द्वारा जनपद के दुर्घटना बाहुल्य एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान बरदही बाजार एवं बरगदी मोड़, कर्नलगंज स्थित प्रमुख ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का गहन मूल्यांकन किया गया।निरीक्षण के दौरान टीम ने सड़क की भौतिक स्थिति,यातायात दबाव,मोड़ों की संरचना,संकेतक बोर्डों की उपलब्धता,सड़क चिन्हांकन, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों से संवाद कर दुर्घटनाओं के संभावित कारणों और आवश्यक सुधारात्मक उपायों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।एआरटीओ आर.सी. भारतीय ने बताया कि बरदही बाजार एवं बरगदी मोड़ ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ यातायात का दबाव अपेक्षाकृत अधिक रहता है तथा पूर्व में भी सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आई हैं।ऐसे स्थानों की पहचान कर उनका तकनीकी परीक्षण कराया जा रहा है,ताकि दुर्घटनाओं के कारणों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं सुझावों के आधार पर एक विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा,जिसे राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) लखनऊ डिवीजन के अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाएगा।परिवहन विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के समन्वय से आवश्यक सुरक्षा उपायों, चेतावनी संकेतकों की स्थापना, सड़क सुधार कार्यों तथा अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं को लागू करने की कार्यवाही की जाएगी। भारतीय ने कहा कि सड़क सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा जनपद में दुर्घटनाओं को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सड़क पर सतर्कता बरतने की अपील की।

धनराज मौर्य की हत्या में वांछित अभियुक्त आसिफ को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र के बभनी बुजुर्ग अहिरौला

में हिंसा के फरार आरोपी आसिफ निवासी पिपराराम को पुलिस ने गिरतार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि गिरतारी के दौरान भागते समय गिर जाने के कारण उसके पैर में चोट आई है जिसका इलाज जिला चिकित्सालय में कराया जा रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि अभियुक्त शुरू से ही पुलिस व एक विभागीय कर्मी के संपर्क मे था जिसको न्यायालय में आत्मसमर्पण कराने की जुगत की जा रही थी। हिंदू संगठनों के दबाव के चलते उसे गिरतार कर जेल भेजा गया है। मृतक के परिजन व ग्रामीण गैंड़ास बुजुर्ग व उतरौला की पुलिस की कार्रवाई पर शुरू से ही सवालिया निशान लगाते आ रहे हैं। रविवार को भी पुलिस की लीपापोती की कार्रवाई से नाराज लोगों ने बस्ती राजमार्ग पर जाम लगाकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की थी। थानाध्यक्ष राजीव मिश्र का कहना है कि आरोपी की तलाश में पुलिस की चार टीमें लगाई गईं थी और उसे बुधवार को मुखबिर की सूचना पर गिरतार कर लिया गया।

मौर्य समाज ने हिंसा में मृत धर्मराज के परिजनों से की मुलाकात, पुलिस पर लगाए मिलीभगत के आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। बुधवार को अहिरौला मे हिंसा में मृत धनराज मौर्य के परिजनों से मुलाकात के लिए प्रगतिशील विक्रमादित्य मौर्य संगठन के सैकड़ों सदस्य गांव में पहुंचे। शोक संतप्त परिजनों को दिलासा देते हुए प्रशासन की गैर जिम्मेदाराना .त्यों पर रोष व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की। जिलाध्यक्ष सम्राट दीपक मौर्य ने कहा कि पुलिस ने जानबूझकर कर मुकदमे में धारदार हथियार का जिक्र नहीं किया। इससे साबित होता है कि पुलिस की अपराधियों से गहरी सांठगांठ है। सम्राट अशोक सेवा संस्थान के जिला प्रभारी ने कहा कि जिस तरह आरोपियों ने अपने घर के सामने घेर कर धनराज पर हमला किया उससे यह साबित होता है कि आरोपी पूरी तरह तैयारी कर चुके थे। पुलिस ने आरोपियों को आनन फानन में जेल भेज कर उन्हें संरक्षण दिया जबकि उनका रिमांड लेकर उस धारदार हथियार की बरामदगी कराई जानी चाहिए। सम्यक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष .ष्ण कुमार मौर्य ने कहा कि फरार अभियुक्त को बुधवार को नाटकीय रूप से गिरतार कर लिया और उसे भी जेल भेज दिया जबकि उसका सीधे एनकाउंटर किया जाना चाहिए। प्रगतिशील विश्व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मौर्य ने पूरे घटनाक्रम को प्रदेश नेतृत्व के संज्ञान में लाने की बात कहते हुए आरोपियों द्वारा अर्जित संपत्ति के स्रोत की जांच कराने और आरोपियों के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान आनंद मौर्य, सियाराम मौर्य समेत दर्जनों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूदा रहे।

विश्व साइकिल दिवस पर सिद्धार्थनगर में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश, भव्य साइकिल रैली का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर सिद्धार्थनगर साइक्लिंग एसोसिएशन द्वारा जनपद में एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने तथा युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करना था। रैली को नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के सभासद और वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी मनोज सिंह ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। रैली में खिलाड़ियों, युवाओं, खेल प्रेमियों एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने किया। सचिव धर्मेंद्र कुमार पाठक एवं कोषाध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव , की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन योग प्रमुख योगाचार्य महेश कुमार ने किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नियमित साइकिल चलाने, प्रदूषण कम करने तथा फिट एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। रैली के समापन में प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को संगठन के पदाधिकारियों द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के सम्मान समारोह ने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक एवं प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को अल्पाहार भी वितरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने कहा कि साइकिल एक ऐसा साधन है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने युवाओं से प्रतिदिन साइकिल चलाने तथा स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनपद के वरिष्ठ खिलाड़ी राजन सिंह,राजू पांडेय, धनंजय सिंह, नीरज श्रीवास्तव, कमलेन्द्र चौधरी, राजलक्ष्मी, लाले सहित जनपद के अनेक खेल प्रेमी, खिलाड़ी अनूप, प्रदीप, कमलेश सहित अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में कोषाध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम स्वास्थ्य जागरूकता, खेल संस्कृति और सामाजिक सहभागिता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आयेगा।

डीएम ने बी–पैक्स जोगिया का किया निरीक्षण, किसानों से की बातचीत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने बुधवार को विकास खंड जोगिया स्थित बी–पैक्स जोगिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों को वितरित किए जा रहे खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के समय किसानों को 266.50 रुपये प्रति बोरी यूरिया तथा 1350 रुपये प्रति बोरी डीएपी उपलब्ध कराई जा रही थी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों से खसरा–खतौनी का सत्यापन करने के बाद ही खाद का वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि खाद वितरण की पूरी प्रक्रिया शासन के निर्धारित नियमों के अनुरूप और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत प्रभावित परिवारों को मिली बड़ी राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत बुधवार को तहसील सभागार डुमरियागंज में आयोजित कार्यक्रम में दुर्घटना से प्रभावित किसान परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस दौरान पांच लाभार्थी परिवारों को पांच–पांच लाख रुपये का प्रतीकात्मक चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक सौंपते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और उनके परिवारों की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी दुर्घटना या अप्रत्याशित घटना के बाद प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। उपजिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्रा ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि किसान की मृत्यु अथवा पूर्ण शारीरिक अक्षमता की स्थिति में पांच लाख रुपये की सहायता दी जाती है। दोनों हाथ, दोनों पैर अथवा दोनों आंखों की क्षति होने पर भी इतनी ही राशि प्रदान की जाती है। एक हाथ और एक पैर के नुकसान की स्थिति में भी पांच लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। वहीं एक हाथ, एक पैर या एक आंख की क्षति पर ढाई लाख रुपये तथा 25 से 50 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता पर 1.25 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाती है। तहसीलदार रवि कुमार यादव ने बताया कि योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। आवेदन प्राप्त होने के बाद राजस्व विभाग की टीम निर्धारित समय में जांच और सर्वेक्षण पूरा करती है तथा पात्र पाए जाने पर सहायता राशि स्वीकृत कर लाभार्थियों को खातों में उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम में पिपरा गोसाई निवासी लीलावती, धोबहा एहतमाली की मिन्ना, पिरैला सुल्तान के गोपाल, बिलवट की सारजहां तथा मैनहा के अज्ञाराम को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर नायब तहसीलदार राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, लवकुश ओझा, मधुसूदन अग्रहरि, महेश चंद्र, माता प्रसाद भारती, अजय पाठक, शैलेन्द्र रावत, अंकित श्रीवास्तव, बब्बू पाठक आदि मौजूद रहे।

तुलसियापुर हादसे पर सपा नेता मणेन्द्र मिश्रा ने जताया दुःख, 20 लाख मुआवजे की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील के तुलसियापुर चौराहे पर निर्माणाधीन स्वागत द्वार गिरने से एक व्यक्ति की मौत और चार लोगों के घायल होने की घटना पर समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पंगेशियस क्लस्टर योजना में सिद्धार्थनगर अधिसूचित जनपद है। इसी योजना के तहत मंडी समिति से ग्राम पंचायत मदरहिया के पास मछली मंडी एवं व्यावसायिक मार्केट का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई, जिसके चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि शोहरतगढ़ क्षेत्र मत्स्य उत्पादन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखता है। ऐसे में प्रधानमंत्री के नाम से जुड़ी योजना में निर्माण कार्य के दौरान हुई यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और जिले की छवि को धूमिल करने वाली है। उनका आरोप है कि कई महीनों से निर्माण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी तथा मजदूरों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। सपा नेता ने मृतक के परिजनों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, घायलों के समुचित इलाज और उनके पूर्ण स्वस्थ होने तक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही निर्माण कार्य करा रही फर्म को ब्लैकलिस्ट कर उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी मृतक के परिवार और घायलों के साथ खड़ी है तथा मामले में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्थायी लोक अदालत में सदस्य पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। स्थायी लोक अदालत, जनपद सिद्धार्थनगर में सदस्य के दो रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार आवेदक को जनोपयोगी सेवाओं के क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव होना आवश्यक है। इनमें वायु, सड़क एवं जलमार्ग परिवहन सेवाएं, डाक, तार एवं दूरभाष सेवाएं, विद्युत, प्रकाश एवं जल आपूर्ति, सार्वजनिक स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था, अस्पताल एवं औषधालय सेवाएं तथा बीमा सेवाएं शामिल हैं। चयनित सदस्यों को प्रति बैठक 2,000 रुपये बैठक शुल्क तथा 5,000 रुपये प्रतिमाह यात्रा भत्ता प्रदान किया जाएगा। नियुक्ति की अवधि पांच वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो, निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र के साथ दो नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो तथा दो स्व–पता लिखित एवं डाक टिकट लगे लिफाफे संलग्न करना अनिवार्य होगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपना आवेदन अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल न्यायालय, सिद्धार्थनगर के नाम संबोधित कर 02 जुलाई 2026 तक कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल न्यायालय, सिद्धार्थनगर द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

डीएम के आश्वासन के बाद भी नहीं हुई तैनाती, बेलौहा एक साल से सफाईकर्मी विहीन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। खेसरहा विकास खंड के अंतर्गत स्थित बेलौहा चौराहे पर पिछले लगभग एक वर्ष से स्थायी सफाईकर्मी की तैनाती न होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि शासन की महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन योजना का लाभ क्षेत्र को नहीं मिल पा रहा है और सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बेलौहा चौराहा क्षेत्र का एक प्रमुख और व्यस्त केंद्र माना जाता है। यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ब्लॉक मुख्यालय, स्टेट बैंक, ग्रामीण बैंक, उत्तर प्रदेश, विकास इंटर कॉलेज, आईटीआई सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी एवं शैक्षणिक संस्थान स्थित हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होने के बावजूद नियमित सफाई न होने से बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी का अंबार लगा रहता है। ग्राम प्रधान तुफैल अहमद ने बताया कि सफाईकर्मी की स्थायी तैनाती की मांग को लेकर फरवरी माह में जिलाधिकारी को लिखित शिकायत भी दी गई थी। उस समय जिलाधिकारी ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। प्रधान का आरोप है कि कभी–कभी किसी सफाईकर्मी की तैनाती की भी जाती है तो वह कुछ दिनों तक ही कार्य करता है और फिर उसका स्थानांतरण अन्य स्थान पर कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बार–बार ऐसा होने से क्षेत्र की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर सरकार स्वच्छता को लेकर बड़े–बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर बेलौहा जैसे महत्वपूर्ण चौराहे पर एक स्थायी सफाईकर्मी तक उपलब्ध नहीं है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सफाईकर्मी की स्थायी तैनाती कर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को गंदगी और उससे फैलने वाली बीमारियों से राहत मिल सके।

स्थायी लोक अदालत के लिए दो सदस्यों की होगी नियुक्ति, 2 जुलाई तक मांगे गए आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जनपद सिद्धार्थनगर में गठित होने वाली स्थायी लोक अदालत के लिए दो सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में पात्र एवं अनुभवी व्यक्तियों से 02 जुलाई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22 बी (2)(ख) के तहत ऐसे व्यक्तियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें लोक उपयोगी सेवाओं के क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव हो। नियुक्ति राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर के नाम पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं अथवा कार्यदिवसों में सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। चयनित सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो, रहेगा। मानदेय एवं अन्य देयक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार देय होंगे। यह जानकारी प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल न्यायालय सिद्धार्थनगर ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

सीओ की अगुवाई में मुहर्रम से पहले सड़कों पर उतरी शोहरतगढ़ पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी (सीओ) शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी और प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ कस्बे के विभिन्न ताजिया एवं जुलूस मार्गों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम शोहरतगढ़ थाने से निकलकर तिरंगा तिराहा, मुख्य मार्ग, पुलिस पिकेट, शहीद बुधई स्मारक मार्ग (रमजान गली), मस्जिद गली, गोलघर तथा डॉ. अंसारी गली समेत विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। अधिकारियों ने जुलूस मार्गों की स्थिति, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी इंतजामों का निरीक्षण किया। इस दौरान संकरी गलियों में भी पुलिस की मौजूदगी बनी रही और सायरन बजते रहे। निरीक्षण के समय जामा मस्जिद के सदर अल्ताफ हुसैन भी मौजूद रहे। उन्होंने मुहर्रम के आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं एवं नियमों की जानकारी अधिकारियों को दी और आश्वस्त किया कि पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सभी लोग प्रशासन का पूरा सहयोग करेंगे। सीओ मयंक द्विवेदी ने बताया कि मुहर्रम पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है। ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों का सत्यापन कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पर्व के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। साथ ही सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। प्रमुख स्थानों पर ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से आपसी सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान हेका दिनेश यादव, हेका प्रभाकर यादव, हेका दयानन्द, का. रामकरन आदि मौजूद रहे।

पडरौना – कठकुईया मार्ग स्थित सिधुवा बाजार गड्ढों में तब्दील, जनप्रतिनिधि व सम्बन्धित विभाग बना उदासीन

कुशीनगर । प्रदेश सरकार सड़क निर्माण के मद में जिले में हर वर्ष भारी भरकम धनराशि खर्च कर रही है। पुरानी सड़कों की मरम्मत के साथ नई सड़कें भी बनाई जा रही हैं, लेकिन पडरौना कठकुईया मेन रोड स्थित सिधुआं बाजार में किसी की नजर नहीं पड़ रही। यह सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। मार्ग बदहाल होने की वजह से इस रोड से होकर आने जाने राहगीरों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इससे प्रतिदिन राहगीरों को गड्ढे में गिरने की समस्या उत्पन्न हो रही है। पडरौना–कठकुईया मेन मार्ग से होकर गोडरिया तक का निर्माण करीब एक वर्ष पूर्व हुआ था। इसके बाद से इसकी कभी मरम्मत नहीं हुई। करीब डेढ़ किमी लंबी इस सड़क में खिरिया टोला, मोहन पट्टी, सिधुआं बाजार के सामने बड़े–बड़े गड्ढे बने हुए हैं। इस रोड के अगल–बगल तो सड़क चलने लायक नहीं है। यहां वाहन पलटने का डर बना रहता है। इसलिए चालक इधर से भारी वाहन लेकर जाना नहीं चाहते हैं।समाज सेवी सुरजीत कुशवाहा ने कहा कि मेन रोड सड़क की हालत देखकर ऐसा लग रहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को इससे कोई मतलब नहीं है। इस सड़क से गुजरना दुर्घटना को बुलाने जैसा है। दुकानदार गुड्डू कुमार ने कहा कि सिधुआं क्षेत्र की आबादी बढ़ने के साथ ही सड़कों पर दबाव भी बढ़ा है।

सम्पादकीय

वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं...

जम्मू–कश्मीर में सामूहिक प्रयास मददगार

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों–अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू–कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते–ए–इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी–कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल–कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध ा की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद–फरोख्त में संलिप्तता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। साथ ही सीमावर्ती संवेदनशील राज्यों में, जहां सीमा पार से नशे की तस्करी आतंकवाद को जिंदा रखने के लिये की जा रही है, वहां अतिरिक्त सावधानी की भी जरूरत है। नशा तस्करों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद सजा देना, इस अभियान में मददगार साबित होगा।

जिनके इलाज से टिके मर्ज, निकले मरीज

गांवों की अपनी मजबूरी है। तमाम कोशिशों के बावजूद डाक्टर शहरों में टिके रहना चाहते हैं और गांवों में झोलाछाप डॉक्टरों की चल निकलती है। कहते हैं, डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं। अगर वही फर्जी निकल जाए, तब तो भगवान ही मालिक है। तब तबीयत में सुधार के लिए भगवान को भेजी गई अर्जी भी काम नहीं आती। मर्ज रह जाता है, मरीज निकल लेता है। उम्रदराज जनकलाल अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। नियमित जांचें कराते हैं। एक दिन इसी मंशा से किसी संजीवनी क्लीनिक पर पहुंचे। लंबी प्रतीक्षा के बाद एक डॉक्टर प्रकट हुआ। उसने उन पर एक नजर डाली और सीधे पर्ची पर उतर आया। ताबड़तोड़ कलम घसीटते हुए बोला, 'आप तो बिल्कुल ठीक हैं, बस अंडरवेट हैं। सुबह की ताजी हवा खाएं और ये दवाएं लीजिए। थोड़ी महंगी हैं। ठीक हो जाएंगे।' जनकलाल ने अपने बचे–खुचे दांतों तले अंगुली दबा ली, डॉक्टर तो पहुंचा हुआ मालूम पड़ता है! बिना जांचे पर्चा लिख दिया? जनकलाल खुद ही अपनी नब्ज टटोलते हुए विचारने लगे– मैं तो जिंदगीभर से ऐसे ही हूं, दुबला–पतला! फिर उन्होंने डॉक्टर को देखा। वह मुंह में जर्दा दाबे सीकिया पहलवान लगता था! वे बोले, 'आप भी तो अंडरवेट हैं डॉक्टर साब!' डॉक्टर मुख ऊपर करके हंसा, वरना पीक बाहर आ जाती। फिर ठसके से पूछा, 'डॉक्टर मैं हूं या आप?' जनकलाल सकपका गए, 'जी, आप। मैंने तो ऐसे ही पूछ लिया।' जनकलाल के जवाब से डॉक्टर को भरोसा आया कि वही डॉक्टर है, सो हो... हो... कर हंसा, 'वो क्या है कि मेरी तबीयत जरा खराब है?' यह मामला हास्यास्पद–सा लगता है, लेकिन संजीवनी क्लीनिकों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी कर रहे डॉक्टरों के मामले को देखते हुए सच जान पड़ता है। झोलाछाप डॉक्टरों के बारे में कौन नहीं जानता। पर कौन जानता था कि फर्जी डिग्री धारक, झोलाछाप डॉक्टरों की भांति क्लीनिकों में बैठकर मरीजों की जान से खेलने लगेंगे। गांवों में आज भी झोलाछाप डॉक्टर पाए जाते हैं। एक गांव में रोजमर्रा की खरीदारी के लिए भरने वाले साप्ताहिक बाजार के दिन, एक इंजेक्शन वाला झोलाछाप डॉक्टर काफी चर्चा में रहा। वह बीच बाजार, गांव की सड़क के किनारे पुलिया की सुरक्षा दीवार के शीर्ष चबूतरे पर मरीज को लिटाता और बिना किसी झंझट मरीज के कपड़ों के ऊपर से ही इंजेक्शन ठूंस कर इलाज करता था! मरीज अपने नितंब दबाए फीस चुकाते और निकल लेते थे। बहरहाल, गांवों की अपनी मजबूरी है। तमाम कोशिशों के बावजूद डाक्टर शहरों में टिके रहना चाहते हैं और गांवों में झोलाछाप डॉक्टरों की चल निकलती है। क्लीनिकों के हालिया फर्जीवाड़ा के चलते झोलाछाप कॉकरोच शहरों में भी सुरसुराने लगे हैं?

टूटे समाजों में भरोसा लौटाने के लिए सम्मान

उन्होंने दिखाया कि शांति मिशन केवल सीमाओं की निगरानी नहीं, बल्कि टूटे हुए समाज में भरोसा लौटाने की जिम्मेदारी भी है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें 'जेंडर एडवोकेट' यानी लैंगिक समानता की पैरोकार के रूप में सम्मानित करने का निर्णय लिया। आज जब युवा पीढ़ी त्वरित सफलता और सोशल मीडिया की चमक से प्रभावित है, तब मेजर अभिलाषा बराक जैसी शख्सियतें यह याद दिलाती हैं कि...

अभिलाषा की कहानी केवल एक सैन्य अधिकारी की कहानी नहीं, बल्कि उस नए भारत की कहानी है जहां बेटियां सीमाएं नहीं, संभावनाएं देखती हैं। जहां वर्दी केवल ताकत का प्रतीक नहीं, बल्कि संवेदनशील नेतृत्व और मानवीय मूल्यों का चेहरा भी बन रही है। दुनिया में सैनिकों की पहचान अक्सर युद्ध और सीमाओं से जुड़ी होती है। लेकिन कुछ सैनिक ऐसे भी होते हैं जो वर्दी पहनकर केवल सुरक्षा ही नहीं देते, बल्कि भरोसा, संवेदनशीलता और उम्मीद भी बांटते हैं। भारतीय सेना में मेजर अभिलाषा बराक आज ऐसी ही पहचान बन चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए चुना है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और किशोरियों के बीच विश्वास निर्माण, संवाद और संवेदनशील नेतृत्व के लिए न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह उपलब्धि सिर्फ एक सैन्य अधिकारी की सफलता नहीं है। यह उस भारत की कहानी है, जहां बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं, बल्कि दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व भी कर रही हैं। अभिलाषा बराक का संबंध हरियाणा के रोहतक से है। उनका बचपन सेना के अनुशासन और देशभक्ति के माहौल में बीता। उनके पिता कर्नल एस. ओम सिंह भारतीय सेना में रहे हैं। परिवार की सैन्य परंपरा ने अभिलाषा के व्यक्तित्व को प्रभावित किया। तभी उनके भीतर देशसेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जीवन का लक्ष्य बनती चली गई।

हालांकि उनका जन्म तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित सैन्य अस्पताल में हुआ, लेकिन परिवार की जड़ें रोहतक से जुड़ी रहीं। अभिलाषा ने जब भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट एविएटर बनकर इतिहास रचा, तब हरियाणा ने उन्हें गर्व के साथ 'रोहतक की बेटी' कहा। उन्होंने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की और बाद में चेन्नई की ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। साल 2022 भारतीय सेना के इतिहास में एक अहम मोड़ आया, जब अभिलाषा भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट एविएटर बनीं। यह भारतीय सेना के बदलते स्वरूप का प्रतीक भी थी। लंबे समय तक सेना के लड़ाकू और एविएशन विंग को पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। महिलाओं की भूमिका सीमित समझी जाती थी। उन्होंने यह साबित किया कि साहस, नेतृत्व और क्षमता का कोई लिंग नहीं होता। उनकी इस उपलब्धि ने देशभर की हजारों लड़कियों को यह संदेश दिया कि अब भारतीय सेना में महिलाओं के लिए कोई 'सीलिंग' नहीं बची है। आज संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं हैं। उनका उद्देश्य संघर्ष प्रभावित समाज में भरोसा बहाल करना भी है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तहत तैनात भारतीय बटालियन में अभिलाषा बराक महिला सहभागिता दल की कमांडर के रूप में कार्यरत हैं। युद्ध प्रभावित इलाकों में महिलाएं और बच्चियां सबसे ज्यादा असुरक्षित होती हैं। ऐसे क्षेत्रों में महिला सैनिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि वे स्थानीय महिलाओं से ज्यादा सहज संवाद स्थापित कर पाती हैं। अभिलाषा बराक ने लेबनान में महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कार्यक्रम चलाए, सामुदायिक गतिविधियों में हिस्सा लिया और शांति सैनिकों को लैंगिक संवेदनशीलता का प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने यह दिखाया कि एक सैनिक केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का चेहरा भी हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने उनके इसी मानवीय नेतृत्व और संवेदनशील कार्यशैली को सम्मानित करने का फैसला किया। मेजर अभिलाषा बराक इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने वाली भारत की तीसरी महिला अधिकारी हैं। उनसे पहले सुमन गुवानी और राधिका सेन भी संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित हो चुकी हैं। मेजर सुमन गवानी को दक्षिण सूडान में महिलाओं के अधिकारों और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए सम्मान मिला था। वहीं मेजर राधिका सेन ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में महिला सुरक्षा और सामाजिक भरोसा कायम करने की दिशा में अहम कार्य किया। अब अभिलाषा बराक का इस सूची में शामिल होना भारतीय महिला सैन्य नेतृत्व की निरंतर बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। एक समय था जब हरियाणा को बेटियों के प्रति रूढ़ सोच वाले राज्य के रूप में देखा जाता था। लेकिन आज वही हरियाणा खेल, सेना, विज्ञान और प्रशासन में देश को नई पहचान देने वाली बेटियां दे रहा है। अभिलाषा बराक इसी बदलाव का सबसे मजबूत चेहरा हैं। उनकी उपलब्धि यह भी दिखाती है कि यदि अवसर, शिक्षा और विश्वास मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व स्तर पर नेतृत्व कर सकती हैं। अभिलाषा बराक की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने सैनिक की कठोर छवि के भीतर मानवीय संवेदना को जीवित रखा।

{ दूसरा, नेपाल और भारत के बीच उभयपक्षीय मामले में ब्रिटेन को शामिल करने की इच्छा भी गलत है। भारत ने बार–बार कहा है कि वह बाउंडरी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष को कभी नहीं कबूल करेगा, चाहे वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश या नेपाल के साथ हो।' जो भी हो, बालेन्द्र शाह का यह बयान भारत–नेपाल संबंधों का कड़वा सच है, जिसे वहां के तथाकथित राष्ट्रवादी नेता और प्रतिक्रियावादी पचा नहीं .... }

भारतीय भूमि अतिक्रमण मुद्दे पर घिरे बालेन्द्र

अब तक नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान संसद में नहीं दिया था कि भारतीय भूमि को उनके देश ने भी कब्जा कर रखा है। बालेन्द्र शाह को अब बताना है, कि नेपाल ने किन–किन जगहों पर भारतीय भूमि का हरण किया है। गत 27 मार्च को पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने एक बार भी संघीय संसद को संबोधित नहीं किया थाकृयहां तक कि अनिवार्य साप्ताहिक प्रश्न–उत्तर सत्रों के दौरान भी नहीं। उनकी चुप्पी तोड़ने और विधायिका के प्रति जवाबदेही दिखाने का दबाव उन पर लगातार बढ़ रहा था। और फिर रविवार को जब बालेन्द्र शाह संसद में बोले, सभी सन्नाटे में आ चुके थे। उन्होंने अपने आलोचकों को शांत करने के बजाय, मानो डंक मारने वाली मधुमक्खियों का एक झुंड ही छोड़ दिया। जिसे अंग्रेजी में 'पैंडोरा बॉक्स खोलना' कहते हैं। संसद में दो अलग–अलग सवालों का जवाब देते हुए, शाह ने सबसे पहले कहा कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद को सुलझाने के लिए भारत के साथ प्रयास जारी हैं। लेकिन, फिर उन्होंने यह भी जोड़ा कि न केवल भारत ने नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि भारत के साथ मौजूदा सीमा विवादों में से कई की जड़ें 1816 में ब्रिटिश भारत के साथ हुई सुगौली संधि में हैं, इसलिए उनकी सरकार भारत–नेपाल सीमा चर्चाओं में ब्रिटिश पक्ष को शामिल करने की कोशिश कर रही है। काठमांडू पोस्ट जैसा अखबार भी इस बयान से हैरान था। अगले दिन के सम्पादकीय में अखबार लिखता हैकृ 'सीमा विशेषज्ञों के साथ–साथ उन वरिष्ठ पूर्व सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जिन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत की है, ऐसा कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है, जिसमें भारत ने कभी 'नेपाली अतिक्रमण' का मुद्दा उठाया हो। इसलिए, प्रधानमंत्री का यह बयान भविष्य की सीमा वार्ता में भारत के पक्ष को मजबूत करता है।' कोई राष्ट्रीय अखबार तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश करे, तो यह उभयपक्षीय हितों के लिए अच्छा नहीं है। भारत से यदि भूमि विवाद नहीं होता, तो 'बाउंडरी वर्किंग ग्रुप' का गठन क्यों किया गया? संयुक्त तकनीकी समिति ने लगभग 26 वर्षों तक कार्य किया। यह दावा किया गया कि सीमा संबंधी 97 प्रतिशत समस्याओं का समाधान कर लिया गया। शेष तीन प्रतिशत का समाधान करना उनकी क्षमता से परे था। उसमें कालापानी–लिम्पियाधुरा शामिल हैकृजो 370 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के साथ सबसे बड़ा अतिक्रमण हैय इसके अलावा 24 किलोमीटर का सुस्ता क्षेत्र और लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्रफल वाले अन्य स्थान भी इसमें हैं। कुल मिलाकर, ऐसे लगभग 71 स्थान हैं जो 606 वर्ग किलोमीटर का कुल क्षेत्रफल घेरते हैं। इस स्थिति के बने रहने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक, सीमांकन के लिए पुराने मानचित्रों और दस्तावेजों की अनुपलब्धता है। काश! काठमांडू पोस्ट ने बुद्धि नारायण श्रेष्ठ की पुस्तक 'द नेचुरल एनवायरनमेंट्स एंड द शिफ्टिंग बॉर्डर्स ऑफ नेपाल' में बर्नार्डो माइकल द्वारा की गई टिप्पणी पर गौर किया होता, 'आज भी, भारत और नेपाल के बीच सीमा विवादों की उपस्थिति यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आधुनिक सीमाओं के निर्धारण की यह परियोजना सदैव एक 'अधूरी परियोजना' ही बनी रहेगी।' नेपाल के लिए मुश्किल यह है कि लिपुलेख के मुद्दे पर चीन उसके साथ नहीं खड़ा है। लिपुलेख–लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन भारत का है, उसकी पुष्टि 15 मई, 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन की राजकीय यात्रा के दौरान हुआ व्यापार समझौता है। यह भारत और चीन के बीच एक द्विपक्षीय समझौता था, जिस पर चीनी प्रधानमंत्री ली कछियांग के साथ पीएम मोदी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें औपचारिक रूप से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पर सहमति बनी थी। 41–सूत्री संयुक्त बयान के बिंदु 28 में लिपुलेख दर्रे (कियांगला) को औपचारिक रूप से एक द्विपक्षीय सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा मार्ग के रूप में मान्यता दी गई थी। तब नेपाली कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि भारत और चीन ने उसकी सहमति के बिना, उसके दावे वाले क्षेत्र से होकर व्यापार करने पर बातचीत की है। बाद के दिनों में नेपाल के तीन प्रधानमंत्रियों केपी शर्मा ओली, प्रचंड और शेर बहादुर देउबा ने लिपुलेख–लिम्पियाधुरा के बॉल को जमकर खेला। बालेन्द्र शाह से पहले पीएम ओली इस मुद्दे को उठाने 3 सितम्बर, 2025 को पेइचिंग में आहूत थिएनमान चौक विजय दिवस समारोह तक गए लेकिन, चीनी सत्ता प्रतिष्ठान ने उसे अनसुना कर दिया। चीन और भारत तय कर चुके थे कि लिपुलेख–लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन के बरास्ते जून, 2026 में उभयपक्षीय व्यापार होना है। बहरहाल, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। अब तक नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान संसद में नहीं दिया था कि भारतीय भूमि को उनके देश ने भी कब्जा कर रखा है। बालेन्द्र शाह को अब बताना है, कि नेपाल ने किन–किन जगहों पर भारतीय भूमि का हरण किया है। कई सांसद यह चाह रहे हैं कि संसद के रिकार्ड से यह बयान स्पन्ज किया जाये। लेकिन, जुबान से निकली बात और कमान से छूटे तीर की वापसी नहीं हो सकती। नेपाली मीडिया भी हतप्रभ है। नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट प्रधानमंत्री शाह के बयान को अपरिपक्व मानते हुए लिखता है, 'अगर उन्होंने 'अतिक्रमण' शब्द के बजाय 'सीमा–पार के कब्जे' शब्द का इस्तेमाल किया होता, तो कोई विवाद नहीं होता।

नेपाली पीएम का बड़बोलापन, भारत की जमीन हड़पने का दावा, अब बुरे फंस गए ?

सरहद पर खींची गई एक लकीर कभी–कभी सर्दियों तक देशों का पीछा नहीं छोड़ती। भारत और नेपाल की कहानी भी कुछ ऐसी ही है और करीब 200 साल पहले खींची गई एक सीमा रेखा आज भी दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा कर देती है। इसी विवाद ने एक बार फिर से सुर्खियां बटोली है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में एक ऐसा दावा कर दिया जिसके बाद खुद उनकी सरकार को सफाई देनी पड़ गई। वह भी दुनिया के सामने। बालेन शाह ने यह कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया बल्कि नेपाल ने भी कुछ जगहों पर भारतीय जमीन पर कब्जा किया है। अब जैसे ही इनका यह बयान सामने आया, नेपाल में राजनीतिक हंगामा मच गया। विपक्ष ने सबूत मांग लिए। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ने तो सवाल तक उठा दिए और पूर्व राजदूतों ने भी इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। मामला बता दें कि इतना ज्यादा बढ़ गया कि कुछ ही घंटों के अंदर नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई जारी करनी पड़ गई। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह कहा कि प्रधानमंत्री बालेन का मतलब भारत की जमीन पर नेपाल के आधिकारिक कोई भी कब्जे से नहीं था। असल में वह 10 गजा की बात कर रहे थे।

इसका मतलब क्या होता है? 10 गजा यानी सीमा पर मौजूद वो नो मैनस लैंड जहां सालों के दौरान कुछ लोगों ने खेती शुरू कर दी। कुछ जगह मकान बन गए और कई इलाकों में दोनों तरफ के लोग एक दूसरे की जमीन इस्तेमाल करने लगे। नेपाल सरकार का यह कहना है कि प्रधानमंत्री बालन शाह इसी तरह के क्रॉस बॉर्डर अतिक्रमण की बात कर रहे थे जो उन्होंने संसद में की। लेकिन असली कहानी इससे कहीं पुरानी है। दरअसल बता दें कि इस विवाद की जड़े 1816 की सुगोली संधि तक जाती है। नेपाल और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुए इस समझौते ने आध ुनिक भारत नेपाल सीमा उस वक्त तय की थी। समस्या यह थी कि सीमा का जो बड़ा हिस्सा नदियों के आधार पर उस वक्त तय किया गया था और सबसे बड़ा विवाद काली नदी को लेकर पैदा हुआ। समय के साथ नदी का रास्ता बदलता गया। लेकिन नक्शे और दावे अब भी नहीं बदले और यहीं से काला पानी, लिपुलेख और सुस्ता जैसे इलाकों पर विवाद शुरू हुआ। नेपाल का

यह दावा है कि काली नदी का वास्तविक स्रोत जो उसका इलाका है वहां से निकलती है। इसलिए यह इलाका उसके पास है और यह नदी पर उसका राइट है। वहीं भारत अपने ऐतिहासिक और प्रशासनिक रिकॉर्ड के आधार पर इन इलाकों को अपने आधिकारिक क्षेत्र का हिस्सा मानता है। और फिर बता दें कि इसके बाद आता है साल 2020 का। नेपाल ने नया राजनीतिक नक्शा जारी कर दिया। जिसमें काला पानी, लिपु लेख और जो कई इलाके हैं उसको नेपाल का हिस्सा दिखाया गया उस मैप में जिसने विवाद को और भी ज्यादा बढ़ा दिया। जब यह नक्शा सामने आया तो भारत ने इस कदम को तुरंत खारिज कर दिया और इसे एक तरफा कारवाही बताया। वहीं बता दें कि हाल के वर्षों में लिपु लेख को लेकर विवाद और भी ज्यादा बढ़ा है।

खासतौर पर कैलाश मानसरोवर यात्रा की रूट को लेकर नेपाल कई बार अपनी आपत्ति दर्ज करा चुका है। वहीं बता दें कि भारत ने भी अपना रुख इस पूरे मामले पर साफ रखा है। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि बालन शाह के हालिया बयान पर भारत ने कोई भी तीखी सार्वजनिक प्रतिक्रियाएं नहीं दी है। एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि भारत का यह कदम यह दिखाता है कि नई दिल्ली इस पूरे मुद्दे को कोई बड़ा कूटनीतिक विवाद बनाने के बजाय बातचीत के जरिए सुलझाने की अपनी पुरानी नीति पर अब भी कायम है और शायद इसकी एक वजह दोनों देशों के गहरे रिश्ते भी है। भारत ने कई बार नेपाल की मदद की है। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। लाखों नेपाली नागरिक भारत काम करने के लिए आते हैं। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है। दुनिया की चुनिंदा सीमाओं में से एक ऐसी सीमा जहां दोनों देशों के नागरिक बिना वीजा के आ जा सकते हैं। भूकंप जैसे मुश्किल समय में भी लगातार भारत नेपाल की मदद की है। चाहे वो कोई भी क्षेत्र क्यों ना हो। लेकिन अब सुनिए आप सबसे दिलचस्प तथ्य।

भारत और नेपाल की सीमा लगभग 1880 कि.मी. लंबी है। और सीमा एक्सपर्ट्स के मुताबिक 97: सीमा पहले से ही तय और स्वीकार की जा चुकी है। यानी पूरा विवाद पूरी सीमा को लेकर नहीं है। जो 97: हिस्सा पहले ही सुलझा हुआ है। झगड़ा सिर्फ कुछ छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण इलाकों को लेकर अब भी है और शायद यही वजह है कि 200 साल बाद भी यह विवाद जो है वो पूरी तरह खत्म नहीं हो पाया क्योंकि आखिर में सवाल सिर्फ जमीन का नहीं होता है। सवाल इतिहास का भी होता है। नक्शे का भी होता है और राष्ट्रीय दावों का भी होता है। और इसलिए बता दें कि आज भी एक सवाल अब भी बाकी है और बार–बार पूछा जाता है कि अगर भारत और नेपाल की जो 97: सीमा विवाद सुलझ चुका है तो फिर बाकी का जो 3: रह गया है उसमें ऐसा क्या है जो आज भी भारत और नेपाल के रिश्तों में यह 3: जो है वो तनाव पैदा कर देता है।

विश्व कप और आगामी एशेज जीतने की तैयारी में पैट कमिंस, अगले IPL सीजन से रह सकते हैं बाहर!

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिया है कि वह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेल सकते हैं क्योंकि वह लंबे टेस्ट सीजन और 2027 वनडे विश्व कप के लिए अपनी तैयारी कर रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए सीजन के दूसरे हाफ में खेलने के बाद कमिंस घर लौट आए हैं। उनका आखिरी मैच एलिमिनेटर में समाप्त हुआ था। अगस्त से शुरू होने वाले बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले अगले टेस्ट मैच के लिए वे अपनी फिटनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके बाद, 12 महीनों में 21 टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने का मौका दांव पर होगा। दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ कठिन विदेशी मुकाबले होंगे, और ऑस्ट्रेलिया 2027 का समापन वनडे विश्व कप के साथ करेगा। उसी वर्ष मार्च में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच होगा। ठीक बीच में आईपीएल है, जो अगले साल इंग्लैंड में होने वाली एशेज सीरीज से पहले हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज को जीतने के लिए बेताब होगा, क्योंकि उसने 2021 के बाद से वहां कोई सीरीज नहीं जीती है। कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ घर से दूर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के बाद उन्हें एशेज सीरीज से पहले आराम की जरूरत पड़ सकती है।

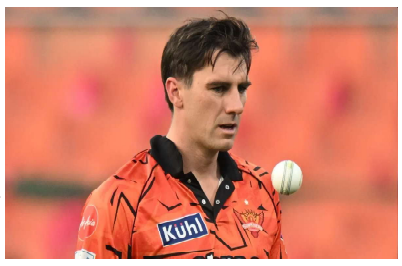

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से बात करते हुए कमिंस ने कहा कि अगले साल किसी न किसी स्तर पर कुछ न कुछ छोड़ना ही पड़ेगा और वह टेस्ट मैच या वनडे विश्व कप नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं समय आने पर ही फैसला लूंगा और फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर देखूंगा कि क्या उचित रहेगा। हालात बदल सकते हैं। मुझे कुछ चोटें लगी हैं, इसलिए मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं करना चाहता। मेरी प्राथमिकताएं हमेशा टेस्ट मैच और वनडे विश्व कप ही हैं। अगर मैं भारत के खिलाफ सभी मैच खेलता हूं, तो मुझे बेहद कठिन एशेज सीरीज से पहले कुछ आराम की जरूरत होगी।

इन कठिन टेस्ट और वनडे मैचों के दौरान कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की उम्रदराज तेज गेंदबाजों की भार–भारता का सावधानीपूर्वक प्रबंधन किया जाएगा, और दिसंबर और जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू चार टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान उन्हें आराम दिया जा सकता है। कमिंस ने कहा कि हां, यह संभव है। मुझे लगता है कि हम हर तरह के विकल्पों के प्रति काफी खुले विचारों वाले हैं, जैसा कि हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है। चाहे घरेलू टेस्ट हो या विदेशी टेस्ट, हम उन्हें ज्यादा अलग नहीं मानते। टेस्ट मैच तो टेस्ट मैच ही होता है। हम इस बात को लेकर काफी यथार्थवादी हैं कि हमें तीन से अधिक तेज गेंदबाजों की आवश्यकता होगी।

शतरंज के बादशाह कार्लसन पर भारी पड़े भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा, क्लासिकल में लगातार दूसरी जीत

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने फिर से कहा कि उन्हें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का सामना करने से डर नहीं लगता बल्कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रज्ञाननंदा ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार क्लासिकल बाजी में कार्लसन को हराया। यह उनकी नार्वे के खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल वर्ग में तीसरी जीत है। प्रज्ञाननंदा ने मैच के बाद कहा,''उन्हें किसी भी प्रारूप में हराकर अच्छा लगता है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के इस चरण में जीत हासिल करनी है और वह भी क्लासिकल प्रारूप में, जिससे आपको पूरे तीन अंक मिलते हैं।'' भारतीय खिलाड़ी की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने इसे काले मोहरों से खेलते हुए हासिल किया। इससे पहले उन्होंने सफेद मोहरों से खेलते हुए भी कार्लसन को हराया था। प्रज्ञाननंदा ने कहा,

''मैं यह नहीं कहूंगा कि मुझे उनका सामना करने में डर लगता है। इसके विपरीत मुझे उनका सामना करने में मजा आता है। इससे मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरणा मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि उनकी मौजूदगी मुझ पर किसी तरह का प्रभाव डालती है। हमने कई बार एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी है और मुझे उनके खिलाफ खेलना पसंद है। वह कड़ी चुनौती पेश करता है।

टीम इंडिया ने अफगानिस्तान टेस्ट के लिए लाल गेंद से बहाया पसीना, तैयारी शुरू

शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने एकमात्र टेस्ट मैच से पहले लाल गेंद से खेलने की तैयारियों को शुरू कर दिया है, जो शनिवार को न्यू चंडीगढ़ में शुरू होने वाला है। टीम इंडिया ने अपने ग हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल सहित अन्य खिलाड़ी एक पूर्ण प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, और मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने खिलाड़ियों की देखरेख कर रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ष्रूप्छक्ष्म ।थ्ळ टेस्ट से पहले लाल गेंद से अभ्यास शुरू होने के साथ ही टीम इंडिया ने नेट पर जमकर प्रैक्टिस की।ष अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच भारतीय पुरुष टीम का इस साल का पहला लाल गेंद वाला टूर्नामेंट होगा, जो आईपीएल 2026 के समापन के एक सप्ताह से भी कम समय बाद खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद, भारत 14 से 20 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगा।

गिल दोनों फॉर्मेट में टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल को वनडे में ऋषभ पंत की जगह उप–कप्तान बनाया गया है। वहीं, श्रेयस अय्यर को 50 ओवर के फॉर्मेट के लिए उप–कप्तान बनाया गया है। गौरतलब है कि पूर्व भारतीय लेग स्पिनर साईराज बहुतुले मंगलवार को पुरुष राष्ट्रीय टीम में स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल हुए।

53 वर्षीय बहुतुले सभी प्रारूपों में भारत के स्पिन विभाग की देखरेख करेंगे। बहुतुले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में काम करने के बाद भारतीय टीम में शामिल हुए हैं। एक खिलाड़ी के रूप में, बहुतुले ने 1997 से 2003 के बीच भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने दो टेस्ट और आठ वनडे मैच खेले। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमित अवसरों के बावजूद, उन्होंने लगभग दो दशकों तक एक बेहद सफल घरेलू करियर का आनंद लिया। इस लेग स्पिनर ने 188 प्रथम श्रेणी मैचों में 630 विकेट और 143 लिस्ट ए मैचों में 197 विकेट लिए। अपनी नई भूमिका में, बहुतुले मुख्य कोच गंभीर, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डोएशेट के साथ काम करेंगे।

भारत की टेस्ट टीमः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (उप–कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, हर्ष दुबे और गुरनूर बराड़।

हर्ष दुबे को टीम इंडिया का बुलावा, टेस्ट और वनडे में चयन पर बोले, श्मैं अचंभित रह गयाश

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले, भारतीय टीम के पूर्व स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे ने कहा कि घरेलू

टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में चुने जाने का एहसास उन्हें किसी सपने जैसा लगा और फिलहाल वे वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। इस साल आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की जर्सी में आठ मैचों में आठ विकेट लेने वाले दुबे, गुरुवार से शुरू हो रही अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के एकमात्र टेस्ट मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। विदर्भ के इस स्पिनर ने 27 प्रथम श्रेणी मैचों में 23.26 की औसत से 133 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6ध्36 है। उन्होंने नौ बार पांच विकेट और दो बार दस विकेट लिए हैं। इसके अलावा, उन्होंने 44 पारियों में 25.65 की औसत से 1,027 रन बनाए हैं, जिनमें नौ अध र्शतक शामिल हैं। मैच से पहले जियोस्टार से बात करते हुए हर्ष ने एयरपोर्ट पर उस पल के बारे में बताया जब उन्हें पता चला कि उनका चयन भारतीय टीम में हो गया है। एयरपोर्ट पर उन्हें क्रिकेट के एक सोशल मीडिया पेज के संचालक का फोन आया, जिसमें उन्हें वनडे टीम में चयन की सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि हम एयरपोर्ट पहुंचे और पता चला कि हमारी फ्लाइट एक घंटे लेट हो गई है। तभी मुझे क्रिकेट के एक सोशल मीडिया पेज के संचालक का फोन आया, जिसमें उन्होंने पूछा कि वनडे सीरीज में मेरा नाम देखकर मुझे कैसा लग रहा है। लाउंज में शोर और नेटवर्क की समस्या के कारण मुझे लगा कि वे श्रीलंका ए वनडे ट्राई–सीरीज (जिसमें बाद में उनकी जगह अनुकूल रॉय को शामिल किया गया) की बात कर रहे हैं, इसलिए मैंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने सपने के एक कदम और करीब आ गया हूं और मेरा ध्यान अभी भी आईपीएल पर है। उन्होंने आगे बताया कि कॉल खत्म करते ही उन्हें वनडे और टेस्ट टीमों में चयन की सूचना मिलने लगी और वे अचंभित रह गए। उन्होंने कहा कि जैसे ही मैंने कॉल खत्म की, मुझे संदेश मिलने लगे कि मुझे टेस्ट और वनडे दोनों टीमों में चयन मिल गया है। मैं असमंजस में था क्योंकि टीम की घोषणा अभी–अभी हुई थी, इसलिए मैंने तुरंत ऑनलाइन चेक किया और खबर देखी। सच कहूं तो मुझे यह समझने में कुछ मिनट लग गए कि क्या हुआ है। यहां तक घ्कि जब मुरली सर ने मुझसे पूछा कि टीम में अन्य स्पिनर कौन हैं, तो मैंने उन्हें बताया कि मैंने सिर्फ अपना नाम देखा है। मुझे सचमुच ऐसा लगा जैसे मैं सपना देख रहा हूं।

जिसे पागलों की तरह डरा रहा चीन, वो अचानक मोदी से मिलने आया!

चीन ने जिस व्यक्ति को दुनिया से दूर रखने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है, वही व्यक्ति पीएम मोदी से मिलने पहुंच गया। इस व्यक्ति के पास वो खजाना है जिसे पाने के लिए दुनिया की महाशक्तियां पागल हैं। इसीलिए चीन नहीं चाहता कि यह व्यक्ति दुनिया के किसी नेता से मिले। लेकिन अब यह पीएम मोदी के साथ खड़े हैं। पीएम मोदी ने एक बहुत बड़ा दांव खेल दिया है। यह हैं म्यांमार के राष्ट्रपति मिन ओंग हलाइन। यह छोटा सा देश चीन को आधा निगल सकता है। अब इसी खेल में भारत जुट गया है। बता दें कि मिनोंग हलाइंग एक पेशेवर सैन्य कमांडर हैं जो 2011 में म्यांमार की आर्मी के चीफ रह चुके हैं। उन्होंने फरवरी 2021 में एक सैन्य तख्ता पलट के जरिए सत्ता पर कब्जा कर लिया था तभी से वह म्यांमार पर शासन कर रहे हैं। अप्रैल 2026 में संसद द्वारा उन्हें राष्ट्रपति चुन लिया गया। 2021 से म्यांमार गृह युद्ध से गुजर रहा है। म्यांमार के अलग–अलग इलाकों में जातीय उग्रवादी संगठन मिनंग हाइंग के खिलाफ खड़े हो गए हैं। इन उग्रवादी संगठनों को चीन हथियार देता है ताकि चीन मिनंग हयांग पर दबाव बनाए रखे। चीन मिनऑग हयांग पर दबाव इसलिए बनाना चाहता है क्योंकि म्यांमार के पास दुनिया के हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है। इन एलिमेंट्स का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, विंड, टरबाइन, फाइटर, जेट्स और स्मार्टफोन जैसी चीजों में होता है। चीन दुनिया भर में रेयर अर्थ रिफाइनिंग के लगभग 90: हिस्से को नियंत्रित करता है। 2017 से 2024 के बीच म्यांमार ने चीन को 2900 टन से ज्यादा रेयर अर्थ एक्सपोर्ट किया था। जिसकी कीमत 4.2 बिलियन थी।

सिर्फ 2023 में ही चीन ने जितना हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट इंपोर्ट किया है, उसमें से लगभग 98: म्यांमार ने ही सप्लाई किया था। यह वो खनिज है जो चीन के पूरे ईवी और रक्षा उद्योग को ऊर्जा देता है। कच्चे माल के लिए चीन म्यांमार पर बहुत ज्यादा निर्भर है। लेकिन चीन म्यांमार के लिए एक क्रूर पार्टनर साबित हो रहा है। चीन सिर्फ खनिज से प्यार करता है। म्यांमार से नहीं। यह बात म्यांमार के राष्ट्रपति को भी पता चल गई है। यहीं पर कहानी में असली ट्विस्ट आता है। म्यांमार का राष्ट्रपति आमतौर पर अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए चीन जाता है। लेकिन म्यांमार के राष्ट्रपति मिनंग हाइंग भारत पहुंच गए। यह एक जानबूझकर दिया गया और सोचा समझा संकेत है। म्यांमार अब चीन पर अपनी अत्यधिक निर्भरता को कम करना चाहता है। भारत म्यांमार के लिए एक स्वाभाविक संतुलन है। यह बात म्यांमार भी जानता है और भारत भी। इसी कड़ी में म्यांमार के राष्ट्रपति पीएम मोदी से मिल रहे हैं। यह कोई आम बैठक नहीं है। इस बैठक पर भारत का भविष्य निर्भर है। भारत तीन चीजों के लिए म्यांमार पर निर्भर है। पहला है सिक्योरिटी। भारत म्यांमार के साथ 1643 कि.मी. लंबा बॉर्डर शेयर करता है। म्यांमार में जो गृह युद्ध चल रहा है उसका फायदा चीन और अमेरिका लगातार उठाते हैं। म्यांमार के जरिए ही चीन मणिपुर को जला रहा है और म्यांमार में ही अमेरिकी एजेंट मैथ्यू वेंडाइक आतंकियों को ट्रेनिंग दे रहा था। यह वही सीआईए एजेंट है जिसे भारत ने हाल ही में गिरफ्तार किया था। भारत और म्यांमार की सरकार के बीच अगर रिश्ते और भी ज्यादा मजबूत हो गए तो इन उग्रवादी संगठनों को खत्म किया जा सकता है। म्यांमार पर भारत की निर्भरता का दूसरा सबसे बड़ा कारण रेयर अर्थ एलिमेंट्स ही है। हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि म्यांमार के पास दुनिया के रेयर अर्थ एलिमेंट्स के तीसरे सबसे बड़े भंडार मौजूद हैं। रेयर अर्थ एलिमेंट्स भारत की सबसे बड़ी जरूरत है। म्यांमार पर भारत की तीसरी सबसे बड़ी निर्भरता है कनेक्टिविटी। भारत म्यांमार के रास्ते थाईलैंड तक एक 1360 कि.मी. का हाईवे बना रहा है जो पिछले कई सालों से अटका है। इस हाईवे का काम पूरा हो गया तो भारत चीन के नजदीक तक पहुंच सकता है। इस हाईवे के अलावा भारत कलादान मल्टी मॉडल प्रोजेक्ट भी बना रहा है। जो पूर्वोत्तर भारत को म्यांमार के रास्ते सितवे बंदरगाह से जोड़ता है।

पैरावेट कार्यकर्ताओ ने बकाया भुगतान को लेकर जिलाधिकारी से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद के पैरावेट कार्यकर्ताओ ने पशुगणना, पांचवें चरण के टीकाकरण, एआईपीडी कैल्विन एवं विभिन्न विभागीय कार्यों के भुगतान में हो रही देरी को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र भुगतान कराए जाने की मांग की है। कार्यकर्ताओ ने आरोप लगाया कि लंबे समय से कार्य करने के बावजूद उन्हें उनकी प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनमें भारी निराशा और आक्रोश व्याप्त है। जिलाधिकारी को संबोधित पत्र में पैरावेट कार्यकर्ताओ ने बताया कि वे विभाग के लिए पशुगणना, पांचवां टीकाकरण अभियान, एआईपीडी कैल्विन संचालन सहित कई महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करते हैं। इसके बावजूद उन्हें समय से भुगतान नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पैरावेट कार्यकर्ताओ को विभाग से कोई नियमित वेतन या मानदेय प्राप्त नहीं होता, बल्कि केवल कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि ही उनकी आय का प्रमुख स्रोत है। ज्ञापन में बताया गया कि जनवरी और फरवरी माह से ही भुगतान की

मांग को लेकर कार्यकर्ता लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में वे कई बार मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सीवीओ से मिले तथा लिखित रूप से ज्ञापन भी सौंपे। कार्यकर्ताओ का कहना है कि हर बार उन्हें आश्वासन तो दिया गया, लेकिन भुगतान की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पैरावेट कार्यकर्ताओ के अनुसार 6 मार्च को भी सीडीओ को ज्ञापन सौंपा गया था। उस समय उन्हें आश्वासन दिया गया कि 31 मार्च तक सभी लंबित भुगतान कर दिए जाएंगे। हालांकि निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी अधिकांश कार्यकर्ताओं को भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद 2 अप्रैल को पुनः सीडीओ से मुलाकात की गई, जहां 10 अप्रैल तक भुगतान कराने का भरोसा दिया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। कार्यकताओं ने बताया कि 30 अप्रैल तक इंतजार करने के बाद 6 मई को एक बार फिर सीडीओ कार्यालय में ज्ञापन दिया गया, किंतु तब भी कोई भुगतान नहीं हुआ। इसके बाद 20 मई को सभी पैरावेट कार्यकर्ता पुनः सीडीओ से मिले। इस दौरान डिप्टी सीवीओ के माध्यम से बैठक भी कराई गई, लेकिन आज तक भुगतान नहीं किया गया है। पैरावेट कार्यकर्ताओ ने जिलाधिकारी से मांग की है कि उनके द्वारा किए गए सभी कार्यों का लंबित भुगतान अतिशीघ्र कराया जाए। साथ ही संबंधित वर्कशीट और पेमेंट शीट की प्रति उपलब्ध कराई जाए, जिससे भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। कार्यकर्ताओ ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आगे की रणनीति बनाने को बाध्य होंगे।

कुंआनों नदी बस्ती की जीवन रेखा: इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी–नेहा वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुधवार को नदियों को स्वच्छ और अविरल बनाये रखने की कड़ी में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा और वरिष्ठ भाजपा नेता अंकुर वर्मा द्वारा कुंआनो के अमहट घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। नेहा वर्मा ने कहा कि कुंआनो बस्ती की जीवन रेखा है। नदी प्रदूषण का शिकार है। नदियों को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस दिशा में नगर पालिका का चरणबद्ध प्रयास जारी रहेगा। कुंआनो नदी के स्वच्छता अभियान मे हिस्सा लेने के बाद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने श्रमदान कर रहे कर्मियों का उत्साहवर्धन किया और निर्देश दिए कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि नदियाँ हमारी संस्कृति और जीवन का आधार हैं। इन्हें स्वच्छ रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि हर एक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि नदियों के अस्तित्व को बचाने और उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाने के संकल्प के साथ विशेष नदी सफाई अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। कहा कि जन भागीदारी से नदियों को स्वच्छ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते हुये लोगों से आग्रह किया कि जीवन दायिनी नदियों को स्वच्छ रखने की दिशा में अपनी ओर से भी पहल करें। कहा कि सरकार और प्रशासन नदियों को साफ रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह अभियान जनभागीदारी के बिना अधूरा है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि नदियों में पॉलीथीन, प्लास्टिक या किसी भी प्रकार का कूड़ा–कचरा न फेंकें। सफाई अभियान और निरीक्षण के दौरान पालिका के अवधेश यादव सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अवधेश यादव, विक्रम चौहान, विवेक श्रीवास्तव, सूरज गुप्ता, अरुण पाण्डेय के साथ ही नगर पालिका के सभी सफाई नायक, बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस स्वच्छता अभियान में अपना पूर्ण सहयोग देने और आम जनता को जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया।

सेवा, समर्पण के रूप में मनाया जायेगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन- अखिलेश सिंह

तीन दिवसीय कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, हिन्दू सम्मेलन, सहभोज का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन सेवा और समर्पण के रूप में मनाया जायेगा। जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हर्रैया तहसील क्षेत्र में स्थित तपसीधाम में किया गया है। 5 जून को विशाल रक्तदान शिविर एवं बाबा भोलेनाथ का दिव्य रुद्राभिषेक होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी संजीव त्यागी को मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह आमंत्रित किया गया है। बताया कि 6 जून को अखण्ड रामायण का पाठ शुरू होगा और 7 जून को विशाल हिन्दू सम्मेलन और सहभोज आयोजित किया गया है। इसके

मुख्य अतिथि प्रकाश सिंह प्रमुख सचिव और विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव महापौर गोरखपुर, राजमाता राजमहल बस्ती आशिमा सिंह हिस्सा लेंगी।गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर लौटे विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि उन्होने तीन दिवसीय कार्यक्रमों के रूप की विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि रक्तदान के द्वारा हम दूसरे की जान बचाने का माध्यम बनते हैं। पूरा प्रयास है कि लगभग 500 यूनिट रक्तदान कराया जाय। बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम को सम्पन्न कराने के लिये पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण कर दिया गया है और तपसी धाम में महन्थ जय बक्श दास के मार्गदर्शन में जोरों से तैयारियां चल रही है। अखिलेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में सर्व समाज के विकास के साथ ही हिन्दू अस्मिता को नयी पहचान दिया है। उनके जन्म दिन को सेवा और समर्पण के रूप में पूरी भव्यता और संकल्पों के साथ मनाया जायेगा।

आईजीआरएस शिकायत पर फर्जी रिपोर्ट लगाने का आरोप, नाली सफाई की मांग

कुशीनगर। जनपद के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के महुआ बुजुर्ग गांव में नाली सफाई और अतिक्रमण की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में 10 से अधिक बार आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन आज तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों के अनुसार प्रत्येक बार संबंधित विभाग द्वारा शिकायत का निस्तारण दिखा दिया जाता है। जबकि मौके पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्र के मुख्य चौराहे पर स्थित नाली के ऊपर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है। कई दुकानदारों ने नाली के ऊपर सिलापट रखकर उसके ऊपर स्थायी रूप से प्लास्टर और अन्य निर्माण कार्य करा लिए है। जिससे नाली पूरी तरह ढंक गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दुकानदार आज भी अपना सिलापट हटाने को तैयार नहीं हैं। इसके कारण नाली की पूर्ण सफाई नहीं हो पा रही है। सफाई कर्मियों और जेसीबी मशीन को नाली के अंदर तक पहुंचने में कठिनाई होती है। जिससे केवल आंशिक सफाई ही संभव हो पाती है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बार–बार शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा केवल औपचारिकता निभाते हुए सीमित सफाई कर फोटो अपलोड कर शिकायतों का निस्तारण कर दिया जाता है। जबकि नाली के ऊपर अतिक्रमण और गंदगी की मूल समस्या आज भी बरकरार है। नाली की नियमित और पूर्ण सफाई न होने से क्षेत्र में जलभराव, दुर्गंध और जल निकासी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी विकट होने की आशंका है। जिससे आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग किया है कि मौके पर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कराया जाए तथा नाली के ऊपर किए गए अतिक्रमण और सिलापट को हटवाकर नाली की पूर्ण सफाई सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जनहित से जुड़े इस मुद्दे का शीघ्र समाधान आवश्यक है ताकि लोगों को गंदगी और जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

25 हजार संविदा कर्मियों की बहाली की मांग, संघर्ष समिति ने ऊर्जा मंत्री के निर्देश का किया स्वागत

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा द्वारा बिना कारण संविदा कर्मियों को सेवा से न हटाए जाने संबंधी दिए गए निर्देशों का स्वागत करते हुए पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से पिछले ढाई वर्षों में हटाए गए लगभग 25 हजार संविदा कर्मियों को तत्काल सेवा में वापस लेने की मांग की है।संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि वर्ष 2017 में जारी आदेश के अनुसार शहरी क्षेत्रों के विद्युत उपकेंद्रों पर 36 तथा ग्रामीण क्षेत्रों के उपकेंद्रों पर 20 संविदा कर्मियों की व्यवस्था निर्धारित की गई थी। इसी व्यवस्था के आधार पर वर्षों तक प्रदेश की विद्युत आपूर्ति प्रणाली सुचारु रूप से संचालित होती रही।समिति का आरोप है कि अक्टूबर 2024 से कथित ष्मैनपावर रेशनलाइजेशनष् और निजीकरण की तैयारी के नाम पर बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों को हटाने का अभियान शुरू किया गया। समिति के अनुसार नवंबर 2024 में पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की प्रक्रिया की घोषणा के बाद संविदा कर्मियों की संख्या में कटौती तेज कर दी गई।संघर्ष समिति ने कहा कि नए टेंडरों में निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए शहरी क्षेत्रों में 36 के स्थान पर 18.5 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 20 के स्थान पर 12.5 संविदा कर्मियों का प्रावधान किया जा रहा है। वहीं, लखनऊ सहित जिन क्षेत्रों में वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग लागू की गई है, वहां शहरी क्षेत्रों में यह संख्या घटाकर 7.5 कर दी गई है। इसके चलते बड़ी संख्या में अनुभवी संविदा कर्मी सेवा से बाहर हो गए हैं, जिनमें ऐसे कर्मचारी भी शामिल हैं जिन्होंने 20 से 25 वर्षों तक विद्युत व्यवस्था के संचालन और रखरखाव में योगदान दिया है।समिति ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में प्रदेशभर में 25 हजार से अधिक संविदा कर्मियों की सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं। साथ ही 55 वर्ष की आयु पूरी होने पर संविदा कर्मियों को अनिवार्य रूप से हटाने के निर्णय को भी अन्यायपूर्ण और अमानवीय बताया गया। समिति ने कहा कि अनेक कर्मचारी बिजली व्यवस्था को बनाए रखने के दौरान दुर्घटनाओं में घायल हुए, फिर भी उन्हें सेवा से बाहर कर दिया गया।संघर्ष समिति का कहना है कि भीषण गर्मी के बावजूद विद्युत आपूर्ति में आने वाले फॉल्टों को ठीक करने वाले अनुभवी संविदा कर्मियों की संख्या लगातार कम की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली बाधित रहने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और नियमित कर्मचारियों पर कार्यभार बढ़ गया है।समिति ने मांग की कि ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के अनुरूप वर्ष 2017 के निर्धारित मानकों की बहाली करते हुए सभी हटाए गए संविदा कर्मियों को तत्काल सेवा में वापस लिया जाए तथा विद्युत वितरण व्यवस्था में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराकर प्रदेश की बिजली व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए।

कॉकरोच जनता पार्टी की जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई से हाईकोर्ट का इन्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने श्कॉकरोच जनता पार्टीश और उसके संस्थापक अभिजीत दीपके की गतिविधियों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता कर्नाटक के बेंगलुरु निवासी हैं और मामले का उत्तर प्रदेश से कोई प्रत्यक्ष व विशेष संबंध नहीं है, इसलिए उन्हें पहले कर्नाटक हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए। जस्टिस शेखर बी. सराफ और जस्टिस अभदेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि ष्फोरम नॉन कन्वीनियंसष् के सिद्धांत के तहत यह याचिका लखनऊ पीठ के समक्ष सुनवाई योग्य नहीं है। हालांकि अदालत ने याचिकाकर्ता को सक्षम अधिकार क्षेत्र वाली अदालत में नई याचिका दाखिल करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हुए वर्तमान याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। याचिका बेंगलुरु निवासी एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दाखिल की गई थी। याचिका में दावा किया गया था कि अभिजीत दीपके की अपंजीकृत राजनीतिक इकाई श्कॉकरोच जनता पार्टीश विदेशी और कथित रूप से संदिग्ध स्रोतों से वित्तपोषित संगठन है, जो भारत की संप्रभुता, अखंडता

और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाली गतिविधियों में संलिप्त है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि यह एक सुनियोजित डिजिटल अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को प्रभावित करना, सार्वजनिक अव्यवस्था को बढ़ावा देना तथा केंद्र सरकार के प्रति असंतोष पैदा करना है। याचिका में यह भी कहा गया था कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, सिग्नल और एक्स सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संचालित खातों, पेजों, चौनलों और समूहों के माध्यम से कथित तौर पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने श्कॉकरोच जनता पार्टीश से जुड़े सभी सोशल मीडिया अकाउंट, पेज, चौनल, समूह और प्रोफाइल को स्थायी रूप से बंद करने और ब्लॉक करने की मांग भी की थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता स्वयं बेंगलुरु के निवासी हैं और उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के विषय को उठाया है। ऐसे में उन्हें सबसे पहले कर्नाटक हाईकोर्ट जाना चाहिए था। अदालत ने स्पष्ट किया कि वर्तमान याचिका में उत्तर प्रदेश से संबंधित कोई ऐसा विशेष तथ्य नहीं है, जिससे लखनऊ पीठ के अधिकार क्षेत्र का आधार बनता हो। याचिकाकर्ता ने यह दलील दी कि उन्होंने कुछ शिकायतें लखनऊ के पते से भेजी थीं, लेकिन अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। खंडपीठ ने कहा कि पूर्व में एक अन्य सुरक्षा संबंधी मामले में स्वयं याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष बेंगलुरु का निवासी होने की बात स्वीकार की थी और उसी आधार पर राहत भी मांगी थी।जब अदालत ने अधिकार क्षेत्र के अभाव में याचिका के सुनवाई योग्य न होने का संकेत दिया, तब याचिकाकर्ता ने सक्षम अदालत में नई याचिका दाखिल करने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। इसके बाद अदालत ने याचिका का निस्तारण करते हुए उन्हें उक्त स्वतंत्रता प्रदान कर दी।

स्वच्छ सर्वेक्षण–2026 की तैयारियों की समीक्षा, महापौर ने सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए निर्देश

लखनऊ। स्वच्छ सर्वेक्षण–2026 की तैयारियों के तहत महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ जोन–5 कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में स्वच्छता व्यवस्था, डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण, नाला–नाली सफाई, जल निकासी, अतिक्रमण नियंत्रण, स्ट्रीट लाइट, राजस्व वसूली तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में भाजपा पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी', पार्षद पीयूष दीवान, जितेंद्र सिंह 'जीतू', नरेंद्र कुमार, नामित पार्षद संतोष सिंह बलखंडी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों में अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन श्रीवास्तव, जोनल अधिकारी विनीत सिंह, जीएम जलकल कुलदीप सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।महापौर ने निर्देश दिए कि स्वच्छ सर्वेक्षण–2026 को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वार्ड में सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए महापौर ने नालों, नालियों और चौंबरों की सफाई समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने पर जोर दिया। उन्होंने जलभराव संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक संसाधनों और मानवबल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा ऋतु में नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं और सुझावों से अधिकारियों को अवगत कराया। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और उसकी नियमित समीक्षा भी की जाए।महापौर ने सार्वजनिक स्थलों, सड़कों और बाजारों में अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और नागरिकों की सुविधा के लिए प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। इसके साथ ही पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और अन्य नागरिक सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने शिकायतों के त्वरित निस्तारण और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।बैठक के अंत में महापौर ने अधिकारियों को स्वच्छता, जल निकासी, अतिक्रमण नियंत्रण एवं जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा अगली समीक्षा बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है और सभी अधिकारियों को इस दिशा में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए।

भाजपा कार्यालय पर हुई जन सुनवाई: प्राथमिकता से कराया जायेगा समस्याओं का समाधान- अभिषेक कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जन समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु भारतीय जनता पाटी द्वारा जन सुनवाई कार्यक्रमों का चरणबद्ध आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जिला महामंत्री अभिषेक कुमार, जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने पार्टी कार्यालय पर आये मामलों या फोन पर आये समस्याओं को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को उसके निस्तारण हेतु पहल किया। जिला महामंत्री अभिषेक कुमार, जिला मंत्री नीलम गौड ने जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद कहा कि पूर्व सांसद असम प्रभारी हरीश द्विवेदी, पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के दिशा निर्देश के अनुरूप जनहित के समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रतिबद्ध है। सदैव प्रयास रहता है कि लोगों को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और उन्हें असुविधा न होने पाये। इसके बावजूद यदि किसी की समस्या का समाधान न हो रहा है तो वे भाजपा पार्टी कार्यालय पर आकर अपनी बात बता सकते हैं। पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता समाधान के लिये हर स्तर पर पहल करेंगे। कहा कि इस जन सुनवाई से लोगों की सामान्य समस्या बिजली, पानी, सड़क आदि के मामले प्राथमिकता से सुलझ जायेंगे। बताया कि जन सुनवाई में जो मामले आये थे उसके निस्तारण की पहल कर दिया गया है।

गिलौला पुलिस को बड़ी सफलता, चोरी की दो मोटरसाइकिलें और इंजन बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गिलौला पुलिस ने चोरी की घटनाओं के सफल अनावरण में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिलों एवं एक मोटरसाइकिल इंजन को बरामद करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरतार किया है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी इकौना के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष गिलौला आशीष कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, 1 फरवरी 2026 को भिखारीपुर मसढ़ी निवासी प्रदीप कुमार शुक्ला ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना थाना गिलौला में दर्ज कराई थी। इस संबंध में मुकदमा संख्या 013/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजी. त किया गया था। पुलिस टीम लगातार मामले की जांच और अभियुक्तों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में 2/3 जून 2026 की रात संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल चालक को रोककर पूछताछ की गई। उसकी पहचान दुर्गेश उपाध्याय निवासी दूबकला थाना सोनवा के रूप में हुई। जांच में उसके कब्जे से बरामद मोटरसाइकिल चोरी की पाई गई। पूछताछ के दौरान दुर्गेश ने स्वीकार किया कि उसने उक्त मोटरसाइकिल चोरी की थी तथा एक अन्य चोरी की मोटरसाइकिल मो. आजम उर्फ दद्दू को बेच दी थी। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने बहराइच–भिनगा मार्ग स्थित रत्नापुर के निकट एक कबाड़ की दुकान पर छापा मारा, जहां से दूसरी चोरी की मोटरसाइकिल और एक मोटरसाइकिल इंजन बरामद किया गया। मौके से मो. आजम उर्फ दद्दू को भी गिरतार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, बरामद वाहनों के संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(4) एवं 317(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं को मिलेगा शीर्ष कंपनियों में प्रशिक्षण का अवसर

कुशीनगर। जनपद के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के माध्यम से 21 से 24 वर्ष आयु वर्ग के स्नातक, डिप्लोमा धारक, आईटीआई, इंटरमीडिएट एवं हाईस्कूल उत्तीर्ण युवा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) ने देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत चयनित युवाओं को देश के विभिन्न क्षेत्रों की 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

बाइस लाख की एफडी पर लोन बनाकर ग्राहक की रकम निकालने करने वाला बैंक मैनेजर गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र के नयानगर विशुनपुर निवासी जनार्दन सिंह ने अपनी जमीन बेचकर बाइस लाख रुपये चमरुपुर के इंडियन बैंक में शाखा प्रबंधक के अनुरोध पर फिक्स डिपॉजिट किया था। पीड़ित ने बताया कि उसकी सहमति के बिना ही शाखा प्रबंधक ने उसके फिक्स डिपॉजिट में लोन पास कर उन्नीस लाख अस्सी हजार रूपये निकाल लिए गये। पीड़ित ने 23 दिसंबर 2025 को कोतवाली उतरौला मे तहरीर दिया था। जिसमें बैंक प्रबंधक दिनेश कुमार एवं सहायक बैंक प्रबंधक निखिल कुमार पर द्वारा सांठ–गांठ कर रकम निकालने का आरोप लगाया गया था। बुधवार को पुलिस ने शाखा प्रबंधक को गिरतार कर लिया जबकि असिस्टेन्ट ब्रान्च मैनेजर निखिल कुमार को पूर्व में ही गिरतार किया जा चुका था। एसपी विकास कुमार ने बताया कि अभियुक्त दिनेश पासवान को चिलुआताल जनपद गोरखपुर से गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त ने बताया कि मैने अपने सह प्रबंधक के साथ मिलकर बैंक का टारगेट पूरा करने के लिए खाताधारक से एफडी कराई थी। खाताधारक की जानकारी के बिना ही एफडी की धनराशि रुपया 19,80,000 का लोन कर खाते में जमा कर लिया था। गिरतार करने वाली में थानाध्यक्ष श्रीदत्तगंज अविरल शुक्ला, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अशोक कुमार, रामधारी दिनकर व आरक्षी रवि दूबे शामिल रहे।

250 लीटर चोरी का डीजल एवं घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार' एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय' के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर सतेन्द्र कुमार राय' के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना शक्तिनगर द्वारा डीजल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरतार किया है तथा उसके कब्जे से चोरी का लगभग 250 लीटर डीजल एवं घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन बरामद किया है। 01.06.2026 की रात्रि में एनसीएल खड़िया परियोजना क्षेत्र में खड़ी डोजर मशीन से लगभग 250 लीटर डीजल चोरी किए जाने की घटना प्रकाश में आई थी। इस संबंध में थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0 110/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस पंजी. त कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन, स्थानीय सूचना तंत्र को सक्रिय कर अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। 02.06.2026 को प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर मय पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग एवं अपराध नियंत्रण हेतु भ्रमणशील थे। इसी दौरान मुखबिर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर हरदवा बस्ती, एनसीएल खड़िया स्टेडियम के पास खड़ी बोलेरो वाहन संख्या न्च 64 ठज 5182 की तलाशी ली गई, जिसमें 07 गैलनों में रखा लगभग 250 लीटर चोरी का डीजल बरामद हुआ तथा एक अभियुक्त को गिरतार किया गया। पूछताछ में गिरतार अभियुक्त ने बताया कि दिनांक 01.06.2026 की रात्रि में एनसीएल खड़िया परियोजना क्षेत्र में खड़ी डोजर मशीन से डीजल चोरी किया गया था। अभियुक्त ने यह भी बताया कि एनसीएल में कार्यरत गार्ड लाहौरी यादव द्वारा अभियुक्तों को बुलाकर मशीनों की लोकेशन, आवागमन एवं अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई गई थीं, जिसके फलस्वरूप चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। विवेचना के दौरान लाहौरी यादव की भूमिका प्रकाश में आई है तथा उसके विरुद्ध साक्ष्य संकलित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अन्य प्रकाश में आए अभियुक्तों की गिरतारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में आपदा जागरूकता अभियान तेज

ग्राम पंचायतों में कराई जा रही वॉल राइटिंग एवं सुरक्षा उपाय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में आपदा से होने वाली जनहानि एवं दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में व्यापक जन–जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत सचिवालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों की दीवारों पर आपदा से बचाव संबंधी क्या करें और "क्या न करें" विषयक वॉल राइटिंग कराई जा रही है, ताकि आमजन को संभावित प्रा.तिक एवं अन्य आपदाओं के प्रति जागरूक किया जा सके। इसी क्रम में ग्राम पंचायतों में खुले पड़े कुओं, गड्ढों एवं अन्य खतरनाक स्थलों को जाली एवं सुरक्षा कवच के माध्यम से ढकने की कार्रवाई भी व्यापक स्तर पर की जा रही है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त नदी, तालाब, पोखरों एवं अन्य जलाशयों के आसपास, जहां डूबने की घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, वहां चेतावनी बोर्ड एवं सुरक्षा संबंधी सूचनात्मक संकेतक लगाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि आंधी–तूफान, बिजली गिरने, बाढ़, जलभराव एवं डूबने जैसी आपदाओं से बचाव हेतु शासन–प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का गंभीरता से पालन करें, नदी, तालाब, पोखरे, झरना, चेकडैम, बान्ध आदि स्थल जहाँ पर डूबने से सम्बन्धित अधिक शिकायतें प्राप्त होती है उन स्थानों पर जाने पर सुरक्षा नियमों को पालन करे। खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों एवं विद्युत पोलों से दूर रहें, अनावश्यक रूप से जलाशयों में प्रवेश न करें तथा बच्चों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है तथा मानव जीवन की रक्षा की जा सकती है। जनपद प्रशासन आपदा प्रबंधन एवं जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार आवश्यक कदम उठाया जा रहा है।

पंचायत भवन में आधार सेवाओं के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, ग्रामीणों में रोष

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच की मोतीपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत विश्वनाथ गांव से आधार कार्ड सेवाओं में कथित अवैध वसूली का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है

कि पंचायत भवन में आधार कार्ड बनवाने एवं अपडेट कराने के नाम पर लोगों से निर्धारित शुल्क से कहीं अधिक धनराशि वसूली जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार एक आधार कार्ड बनवाने या उसमें संशोधन कराने के लिए ध्400 से ध्500 तक की रकम ली जा रही है। इससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी सुविधाएं आम जनता को सुलभ और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जानी चाहिए, लेकिन इस तरह की कथित वसूली से लोगों को आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सत्य साबित होते हैं तो यह सरकारी सेवाओं के नाम पर जनता के शोषण का गंभीर मामला होगा। फिलहाल मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किसने बुझा दी पूर्वांचल की औद्योगिक मशाल? वर्षों से बंद कप्तानगंज डिस्टलरी का जिम्मेदार कौन

एशिया में पहचान, पूर्वांचल की शान... फिर किसकी नजर लगी कि खंडहर बन गई उद्योग की यह विरासत?

कुशीनगर। कभी जिसकी चिमनी से उठता धुआं विकास का संदेश देता था, जहां मशीनों की गड़गड़ाहट से हजारों घरों में चूल्हे जलते थे, जहां रोजगार की आस में लोगों की पीढ़ियां जुड़ी थीं, आज वही कप्तानगंज डिस्टलरी वीरान खड़ी है। कभी एशियाई स्तर पर पहचान रखने वाली यह औद्योगिक इकाई अब अपने अस्तित्व की मोहताज बन चुकी है। जर्जर इमारतें, उखड़े ढांचे और पसरा सन्नाटा मानो चीख–चीखकर पूछ रहा है। आखिर कप्तानगंज डिस्टलरी को खत्म करने वाला कौन है?। बताते चलें कि करीब 49 एकड़ क्षेत्र में फैली इस डिस्टलरी की स्थापना वर्ष 1944–45 में हुई थी।

आजादी के बाद यह पूर्वांचल की औद्योगिक क्रांति का प्रमुख केंद्र बनी। हजारों श्रमिकों को रोजगार मिला, गन्ना किसानों को बाजार मिला और कप्तानगंज की पहचान पूरे देश में बनी। लेकिन वर्ष 2008 में इसकी चिमनी से आखिरी बार धुआं निकला और उसके बाद उत्पादन हमेशा के लिए ठप हो गया। सवाल यह है कि जो कारखाना दशकों तक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा, वह अचानक मौत के मुंह में कैसे चला गया? क्या इसे बचाने की कोशिश नहीं की गई, या फिर जानबूझकर इसे बर्बादी की ओर धकेला गया? आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी लापरवाही, गलत फैसलों या स्वार्थ ने इस औद्योगिक धरोहर को खंडहर बना दिया? कहना ना होगा कि डिस्टलरी बंद होने के साथ ही हजारों परिवारों की रोजी–रोटी छिन गई। श्रमिक बेरोजगार हो गए, किसान प्रभावित हुए और स्थानीय व्यापार चौपट हो गया। जिन लोगों ने अपनी जवानी इस कारखाने को दी, वे आज भी अपने हक और बकाये की लड़ाई लड़ रहे हैं।

लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नजर नहीं आता।सबसे बड़ा दर्द यह है कि डिस्टलरी के बंद होने के बाद उसकी संपत्तियां धीरे–धीरे गायब होती चली गईं। मशीनें कबाड़ बन गईं, भवन उजड़ते गए और जिम्मेदार तमाशबीन बने रहे। करोड़ों रुपये की संपत्ति और हजारों लोगों के भविष्य से जुड़ा यह संस्थान आखिर किसकी नाकामी का शिकार हुआ, इसका जवाब आज तक नहीं मिला। स्थानीय समाजसेवी व भ्रष्टाचार के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले राम नरेश अग्रहरी का कहना है कि चीनी मिलों और अन्य औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित करने की योजनाएं बन सकती हैं, तो कप्तानगंज डिस्टलरी को क्यों मरने दिया गया? क्या इसकी जमीन और संपत्तियों पर किसी की नजर थी? क्या प्रशासन, प्रबंधन और संबंधित एजेंसियों ने अपनी जिम्मेदारियां निभाईं? ऐसे तमाम सवाल आज भी जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के विकास का प्रतीक रही कप्तानगंज डिस्टलरी आज सरकारी उदासीनता, प्रबंधन की विफलता और नीतिगत लापरवाही की जीती–जागती मिसाल बन चुकी है। इसकी वीरान चिमनी सिर्फ एक बंद कारखाने की कहानी नहीं कहती, बल्कि यह उस व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है जो एक ऐतिहासिक औद्योगिक धरोहर को बचा नहीं सकी।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक

किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य.पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को .ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्ञ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

सेंट्रल बैंक अश्वफ इंडिया की सभी शाखाओं में लगेगा मेगा कृषि ऋण आउटरिच कैंप, किसानों, उद्यमियों एवं ग्रामीण व्यवसाईयों को विभिन्न कृषि एवं स्वरोजगार योजनाओं के तहत मिलेगा ऋण का लाभ

कुशीनगर। जनपद में कृषि उत्पादकता बढ़ाने तथा किसानों एवं कृषि आधारित व्यवसायों से जुड़े उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से आगामी 06 जून को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की जनपद स्थित सभी 28 शाखाओं में मेगा कृषि ऋण आउटरिच कैंप का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी अग्रणी जिला प्रबंधक संतोष कुमार ने देते हुए बताया है कि इस विशेष अभियान के दौरान कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि कैंप में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत समूह ऋण, गव्य विकास, मत्स्य पालन, पशुपालन, मुर्गी पालन, ग्रामीण भंडारण, फूड प्रोसेसिंग तथा अन्य कृषि आधारित गतिविधियों के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक ने जनपद के किसानों, स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों एवं ग्रामीण व्यवसायियों से अपील किया है कि वे अपने निकटतम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा से संपर्क कर मेगा कृषि ऋण आउटरिच कैंप में प्रतिभाग करें तथा सरकार एवं बैंक द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसानों की आय बढ़ाने, कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न, प्रभारी मंत्री ने दिया समयबद्ध क्रियान्वयन का निर्देश

कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशीनगर दौरे में शामिल होने के उपरांत जनपद के प्रभारी मंत्री, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह ने जिला मुख्यालय पहुंचकर विकास कार्यों एवं कानून–व्यवस्था की समीक्षा की।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा अधिकारियों को विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने गर्मी मौसम के दृष्टिगत निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जलापूर्ति सहित गौ संरक्षण केंद्रों पर विशेष ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिया। मनरेगा, स्वयं सहायता समूह, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राजस्व, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, लोक निर्माण, विद्युत एवं जल जीवन मिशन सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने रोजगार सृजन, लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने, किसानों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने, बीज एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिया। साथ ही कानून–व्यवस्था की समीक्षा करते हुए गौ तस्करी तथा लंबित विवेचनाओं के प्रभावी निस्तारण पर विशेष जोर दिया। बैठक में जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न विकास संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा की गई। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ जनहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे, सांसद देवरिया शशांक मणि त्रिपाठी, विधायक कुशीनगर पीएन पाठक, पडरौना मनीष जायसवाल, रामकोला विनय प्रकाश गौंड, खड्डा विवेकानंद पांडेय, हाटा मोहन वर्मा, फाजिलनगर सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, तमकुही राज डॉ0 असीम कुमार राय, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राजेश्वर सिंह, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फुलबदन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष सावित्री जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के साथ अन्य जन प्रतिनिधि सहित जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान न0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी एस एन एल टावर खलीला मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 दैनिक बुद्ध का संदेश 9415163471, 9453824459, 9795951917, 9415163471, budhakasandesh@gmail.com, budhakasandeshnews@gmail.com, www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

FWICE के बैन के खिलाफ रणवीर सिंह ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

बॉलीवुड की सबसे चर्चित और कल्ट फ्रेंचाइजी डॉन 3 को लेकर चल रहा विवाद अब फिल्मी गलियारों से निकलकर अदालत की चौखट पर पहुंच गया है। सुपरस्टार रणवीर सिंह ने फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज द्वारा उनके खिलाफ जारी किए गए असहयोग निर्देश को कानूनी चुनौती देते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम संस्था द्वारा अभिनेता पर कथित श्बैनश लगाने की घोषणा के ठीक एक हफ्ते बाद उठाया गया है।

FWICE के मुख्य सलाहकार अशोक पंडित ने इस बात की पुष्टि की है कि फेडरेशन को रणवीर सिंह की कानूनी टीम की तरफ से नोटिस मिल चुका है। इस नए घटनाक्रम के बाद फेडरेशन ने मुंबई में एक और आपातकालीन प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है, जिसमें एक्सेल एंटरटेनमेंट और रणवीर सिंह के बीच बढ़ते इस बड़े टकराव पर आधिकारिक पक्ष रखा जाएगा। हालांकि नोटिस की बातें अभी सामने नहीं आई हैं, लेकिन उम्मीद है कि फिल्म संस्था इस मीडिया ब्रीफिंग में रणवीर सिंह और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बीच बढ़ते टकराव पर बात करेगी।

FWICE का यह फैसला उस शिकायत के आधार पर लिया गया था जो अखघ्तर ने इस साल की शुरुआत में सिंह के खिलाफ की थी। मीडिया को दिए अपने आधिकारिक बयान में, फेडरेशन ने संकेत दिया कि सिंह ने सही बर्ताव नहीं किया और कई बार कोशिश करने के बाद भी उन्होंने इस मामले पर उनसे बात करने से मना कर दिया। बयान में कहा गया, फेडरेशन और इस प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों के प्रति दिखाए गए बर्ताव को देखते हुए,**FWICE** के ऑफिस ने मिस्टर रणवीर सिंह के खिलाफ असहयोग निर्देश जारी करने का फैसला किया है।

सिंह ने उसी दिन एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने **FWICE** द्वारा अपने खिलाफ जारी किए गए निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई बात नहीं करेंगे। एक्टर की तरफ से जारी बयान में कहा गयारू रणवीर सिंह फिल्म इंडस्ट्री और श्डॉनश फ्रैंचाइजी से जुड़े सभी लोगों का बहुत सम्मान करते हैं। श्डॉन 3श से जुड़े हाल के घटनाक्रमों के दौरान, उन्होंने जान–बूझकर चुप रहने का फैसला किया है, क्योंकि उनका मानना घ्छै कि पेशेवर बातचीत और निजी रिश्तों को गरिमा, समझदारी और आपसी सम्मान के साथ ही सुलझाना सबसे अच्छा होता है।

पंडित ने पहले हुई एक प्रेस कॉन्फरेंस के दौरान फेडरेशन का पक्ष भी साफ किया था। उन्होंने कहा, ष्हमारे किसी भी विभाग के कोई भी कर्मचारी या सदस्य उनके किसी भी प्रोजेक्ट पर काम नहीं करेंगे। हमने सभी प्रोड्यूसर्स से अपील की है कि वे हमारा साथ दें, हमारे साथ एकजुट होकर खड़े हों, इस तरह के बर्ताव के खघ्लिाफ आवाज उठाएं और एक मजबूत फैसला लें।

हालांकि, जैसे–जैसे विरोध बढ़ता गया, उन्होंने बाद में यह साफ किया कि फिल्म संस्था ने एक्टर के खिलाफ सिर्फ एक निर्देश जारी किया था, न कि कोई ष्बैनष्। उन्होंने साफ किया कि फेडरेशन से जुड़े मजदूर तो सिंह के साथ काम नहीं करेंगे, लेकिन इंडस्ट्री के बाकी लोग ऐसा करने के लिए आजाद हैं।

जैसे–जैसे यह विवाद एक अभूतपूर्व इंडस्ट्री टकराव में बदलता गया, अलग–अलग फिल्म संस्थाओं के कई सदस्यों ने रणवीर सिंह के खिलाफ की गई इस कार्रवाई का विरोध किया। कई लोगों का मानना घ्छा कि किसी एक्टर के खिलाफ असहयोग का निर्देश शायद ही असरदार साबित होगा, और इसके बजाय इसका बुरा असर उन मजदूरों पर पड़ सकता है जो फिल्म प्रोडक्शन पर निर्भर हैं।

दिलचस्प बात यह है कि फेडरेशन को भेजे अपने संदेश मेंकृजिसके कुछ हिस्से बाद में मीडिया को भी दिए गएं। सिंह ने कहा कि वह इस मामले पर चर्चा करने के लिए इसे ष्सही मंचष नहीं मानते। इस मामले पर कोई टिप्पणी करने या फेडरेशन के साथ बातचीत करने से इनकार करते हुए, एक्टर ने कहा कि वह इस मुद्दे को लेकर चल रही अटकलों को और हवा नहीं देना चाहते।

उनकी तरफ से जारी बयान के एक हिस्से में कहा गया, ष्हालांकि समय–समय पर कई तरह की बातें और अटकलें सामने आई हैं, लेकिन रणवीर ने कभी भी इस पर सार्वजनिक रूप से जवाब देना या इन अटकलों में शामिल होना जरूरी नहीं समझा। उनका पूरा ध्यान अपने काम और आगे की अपनी जिम्मेदारियों पर ही टिका हुआ है।ष

डॉन 3 का ड्रामाः पर्दे के पीछे क्या गड़बड़ हुई?

यह विवाद अगस्त 2023 से शुरू हुआ माना जा सकता है, जब रणवीर सिंह को डॉन 3 के नए चेहरे के तौर पर घोषित किया गया था। उन्होंने उस भूमिका को संभाला था जिसे अमिताभ बच्चन ने अमर बना दिया था और बाद में शाहरुख खान ने नए अंदाज में पेश किया था। इस घोषणा ने प्रशंसकों के बीच जोरदार बहस छेड़ दीय जहाँ एक तरफ फ्रैंचाइजी की वापसी को लेकर उत्साह था, वहीं दूसरी तरफ कास्टिंग में बदलाव को लेकर संदेह भी था।

फरहान अख्तर के घोषणा टीजर ने इस मशहूर एक्शन फ्रैंचाइजी के लिए एक नए अध्याय का वादा किया था, जिसमें रणवीर को एक युवा और ज्यादा आधुनिक डॉन के रूप में पेश किया गया था। फिर भी, शुरुआती चर्चा के बाद, फिल्म से जुड़ी खबरें धीरे–धीरे कम होती गईं। कास्ट, प्रोडक्शन शेड्यूल या रिलीज की योजनाओं के बारे में बहुत कम स्पष्टता थी, जिससे पर्दे के पीछे चल रही गतिविधियों के बारे में अटकलें तेज हो गईं।

समय के साथ, इंडस्ट्री में होने वाली चर्चाएँ देरी से जुड़े सवालों से हटकर, गहरे मतभेदों की खबरों की ओर मुड़ने लगीं। जहाँ शुरुआती अफवाहों ने इस अनिश्चितता को उस समय रणवीर के बॉक्स–ऑफिस पर चल रही मुश्किलों से जोड़ा था, वहीं बाद की खबरों ने संकेत दिया कि यह टकराव खुद प्रोजेक्ट से जुड़ी रचनात्मक और लॉजिस्टिकल चिंताओं के कारण पैदा हुआ था।

कई खबरों में दावा किया गया कि अभिनेता बार–बार होने वाली देरी और पटकथा (स्क्रीनप्ले) के अंतिम रूप न ले पाने से परेशान हो गए थे। रचनात्मक दृष्टिकोणों में अंतर के भी संकेत मिलेय बताया गया कि रणवीर इस किरदार को ज्यादा गहरा और तीखा रूप देना चाहते थे, जबकि निर्माता फ्रैंचाइजी की पिछली किस्तों में स्थापित किए गए मूल स्वरूप को ही बनाए रखना पसंद कर रहे थे। कथित तौर पर स्थिति तब और बिगड़ गई, जब ऐसी खबरें सामने आईं कि रणवीर के सार्वजनिक रूप से इस प्रोजेक्ट से जुड़े होने के बावजूद, कास्टिंग के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार किया जा रहा था। जो बात पहले रचनात्मक मतभेद की फुसफुसाहट के रूप में शुरू हुई थी, वह जल्द ही इस बड़ी खबर में बदल गई कि अभिनेता अब इस फिल्म से जुड़े हुए नहीं हैं।

हालाँकि, इस विवाद का असर केवल रचनात्मक मतभेदों तक ही सीमित नहीं रहा। बाद में इंडस्ट्री की खबरों में दावा किया गया कि एक्सेल एंटरटेनमेंट ने फिल्म के विकास की प्रक्रिया के दौरान हुए नुकसान का हवाला देते हुए, लगभग 40–45 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की। बताया गया कि इस विवाद को पहले श्प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के सामने उठाया गया, और बाद में यह मामला श्फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज तक पहुँच गया।

FWICE के मुख्य सलाहकार अशोक पंडित ने बाद में खुलासा किया कि फरहान अख्तर और निर्माता रितेश सिधवानी ने इस मामले को लेकर व्यक्तिगत रूप से फेडरेशन से संपर्क किया था। पंडित के अनुसार, फिल्म के प्री–प्रोडक्शन (निर्माण–पूर्व कार्य) पर पहले ही काफी निवेश किया जा चुका थाय इसमें अंतरराष्ट्रीय लोकेशन्स की रेकी (निरीक्षण) यात्राएँ, रहने–ठहरने की व्यवस्थाएँ और सैकड़ों क्रू सदस्यों से जुड़ी तैयारियाँ शामिल थीं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि रणवीर ने **EÛcel Entertainment** के साथ तीन फिल्मों का समझौता किया था और स्क्रिप्ट पर चर्चा के साथ–साथ उस प्रमोशनल कैंपेन में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था, जिसके जरिए उन्हें आधिकारिक तौर पर इस फ्रैंचाइजी के नए 'Don' के तौर पर पेश किया गया था। मौजूदा हालात को देखते हुए, 'Don 3' का काम पूरी तरह से रुका हुआ है। इसकी पूरी कहानी सिर्फ रणवीर सिंह और फरहान अखघ्तर को ही पता है, लेकिन जिस प्रोजेक्ट को लेकर कभी जबरदस्त उत्साह था, वह अब हाल के दिनों में बॉलीवुड के सबसे विवादित मामलों में से एक बन गया है।

शिमरी साड़ी पहन अमायरा दस्तूर ने गिराई हुस्न की बिजलियां, कैमरे के सामने दिए स्टनिंग पोज

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर कर लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट

कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने एथनिक लुक्स की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।

इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं अमायरा दस्तूर ने शिमरी गोल्डन कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद स्टाइलिश लग रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपने स्टाइलिश लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने बेहद प्यारा सा कैप्शन भी शेयर किया है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा है श्जस्ट विंगिंग इट, लाइफ, आईलाइनर सबकुछश्. वहीं दूसरी फोटोज के साथ उन्होंने लिखा श्मेरे गोल्डन गर्ल एरा में। एक्ट्रेस की इन फोटोज पर फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स कर के खूब प्यार लुटा रहे हैं। वहीं कई सारे यूजर्स इमोजी के जरिए रिएक्शंस दे रहे हैं।

नौकरी या व्यापार पर लगी है बुरी नजर? पीली सरसों का ये टोटका नकारात्मक ऊर्जा करेगा दूर

अक्सर होता है कि हमारे जीवन में टोक लग जाती है, जिसके बाद हर जगह हमारा ही नुकसान हो जाता है। कई बार इसका कारण बुरी नजर या फिर नकारात्मक ऊर्जा भी हो सकती है। ऐसे में बनते–बनते काम भी बिगड़ जाते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा इसके पीछे का कारण, तो हो सकता है नकारात्मक ऊर्जा हावी हो। जो आपके जीवन में बाधा डाल रही हो। अगर आपकी नौकरी में भी अड़चन आ रही है, तो हम इस लेख में आपके लिए उपाय लेकर आएं। ऐसे में आपको पीली सरसों का एक उपाय जरुर करना चाहिए, जिससे कोई भी बुरी शक्ति दूर रहे और आपके सभी काम बनने लगें। आइए आपको इस उपाय के बारे में बताते हैं– किसे करें पीली सरसों का महाउपायः –पीली सरसों का उपाय करने के लिए सबसे पहले एक मुट्ठी पीली सरसों लेनी हैं। अब सुबह या शाम के समय शांत मन से बैठें और पीली सरसों को अपने हाथ में लेकर सिर से लेकर पैरों तक आठ बार घुमाएं। पीली सरसों को घुमाते हुए मन में अपनी समस्याओं को दूर करने के लिए प्रार्थना करें। – आठ बार पीली सरसों को उतारने के बाद सरसों को घर के बाहर किसी स्थान पर बहते हुए पानी में प्रवाहित कर दें। ध्यान रखें कि सरसों को फेंकने के बाद पीछे मुड़कर बिल्कुल भी न देखें। माना जाता है कि इससे व्यक्ति पर मौजूद कोई भी नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है। आठ बार ही क्यों घुमाई जाती है पीली सरसों?– ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, अंक 8 का संबंध कर्म और बाधाओं को समाप्त करने वाली ऊर्जा से होता है। इसलिए पीली सरसों को आठ बार सिर के ऊपर से उतारने की प्रथा है। यह प्रक्रिया व्यक्ति के आसपास मौजूद किसी भी नकारात्मक शक्ति को दूर हटाने का प्रतीक मानी जाती है। वहीं, सरसों में ऐसे गुण होते है जो व्यक्ति या उसके आस–पास मौजूद किसी भी तरह की बुरी शक्ति को दूर करने में मदद करती है। इसके उपाय से जीवन में सकारात्मकता आती है। किन लोगों को करना चाहिए पीली सरसों के उपाय – यह उपाय उन लोगों को जरुर करना चाहिए, जिनका काम बनते–बनते बिगड़ जाते हैं। – अगर आपकी नौकरी में तमाम समस्याएं आ रही है, तो इस उपाय को जरुर करें। – बार–बार नौकरी के लिए इंटरव्यू देते हैं, लेकिन सफलता नहीं मिलती है, तो यह उपाय जरुर करें। – अगर आपके बिजनेस में लगातार नुकसान हो रहा है, तो इस उपाय को जरुर करें।

गर्मियों में शरीर को भरपूर हाइड्रेशन और ठंडक दे सकते हैं तरबूज के ये 5 पेय

गर्मियों में आने वाले फलों में से एक तरबूज में भरपूर पानी और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिस वजह से पोषण विशेषज्ञ इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं।हालांकि, अगर आपका बच्चा या घर में से कोई व्यक्ति तरबूज का सेवन करना पसंद नहीं करता है तो आप इस फल को स्वादिष्ट पेय का रूप देकर उन्हें इसके फायदे दे सकते हैं।आइए आज हम आपको तरबूज के विभिन्न पेय की रेसिपी बताते हैं।

तरबूज लेमनेड

इसके लिए पहले एक जग में तरबूज का रस और थोड़ा नींबू का रस मिलाएं।अब एक सॉस पैन में चीनी और एक कप पानी उबालें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे तरबूज वाले मिश्रण में मिलाएं।इसके बाद इसे गिलास में भरें और बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर इसका आनंद लें।यह पेय इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और पाचन को सुधारने में भी मदद कर सकता है।यहां जानिए गर्मियों के लिए लाभदायक अन्य पेय।

तरबूज की स्मूदी

सबसे पहले मिक्सी में तरबूज के टुकड़े, दूध और बर्फ को डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इसे परोसें।अगर आप दूध का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते हैं तो योगर्ट से स्मूदी तैयार कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आप इस स्मूदी को नारियल पानी, बर्फ और थोड़े सोडे के साथ भी इसे बना सकते हैं। बस इसमें अधिक तरबूज के टुकड़े डालें।यहां जानिए त्वचा के लिए लाभदायक स्मूदी की रेसिपी और उसके फायदे।

तरबूज मोजितो

यह मीठे–रसदार तरबूज, खट्टे नींबू और ताजे पुदीने का एक उत्तम मिश्रण है।इसे बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर इसे छान लें।अब एक गिलास में नींबू का रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी–सी चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें बर्फ डालें और इसके ऊपर तरबूज का रस डालें।इसके बाद गिलास में सोडा पानी डालें, फिर इसमें तरबूज के कुछ छोटे टुकड़े डालकर इन्हें परोसें।

वॉटरमेलन चिया कूलर

इसे बनाने के लिए सबसे पहले तरबूज (बीज निकले हुए) को मिक्सी में पीस लें।अब इसे एक गिलास में छानकर नींबू के रस के साथ मिलाएं, फिर गिलास में थोड़ा काला नमक, बारीक कटी पुदीने की पत्तियां (वैकल्पिक) और शुगर सीरप (स्वादानुसार) मिलाएं।अंत में इसमें ठंडा पानी और चिया सीड्स डालें, फिर इस स्वादिष्ट पेय का आनंद लें।

तरबूज का फ्लेवर वॉटर

इसे बनाने के लिए सबसे पहले जार में तरबूज के छोटे–छोटे टुकड़े, थोड़ा सा नींबू का रस और तुलसी की ताजा पत्तियां डालें।अब इसमें ठंडा पानी और कुछ बर्फ के टुकड़े डालें। यकीनन यह आपको बहुत पसंद आएगा।आप चाहें तो ऐसे ही आइस्ड टी बना सकते हैं, बस इस मिश्रण में ग्रीन टी को बनाकर और ठंडा करके इसमें मिलाएं।यहां जानिए अन्य फ्लेवर वॉटर की रेसिपी।